मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शुक्रवार,22 अगस्त 2025

संवत 2082, भाद्रपद कृष्ण पक्ष 13 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 349 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ अग्नि-5 : भारत की रक्षा क्षमता में ऐतिहासिक छलांग

रामायण में अपने किरदार पर सनी देओल ने कही ये बात रणबीर कपूर की तारीफ की ◀◀ 6

झारखंड विधानसभा: गुरूजी को दी गयी श्रद्धांजलि

सदन में उठी शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग

पहले दिन 4296 करोड़ 62 लाख का पहला अनुपूरक बजट पेश, चार कार्य दिवस होंगे

संवाददाता

रांचीः झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र हंगामेदार है। बीजेपी सहित दूसरे विरोधी दलों ने सरकार को कई मुद्दों पर घेरेन की तैयारी की है । खास तौर से सूर्या हांदसा के एनकाउंटर और रिम्स टू को लेकर । स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने सदस्यों को बताया कि शिबू सोरेन के निधन की वजह से विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के स्थगित कर दी गई थी । उन्होंने सभी सदस्यों से सदन में सहयोग करने के लिए कहा । वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 4 हजार 296 करोड़ रुपए का अनुपुरुक बजट पेश किया।

विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन, शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन और पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मल्लिक के निधन पर शोक प्रस्ताव रखा गया। हेमंत सोरेन ने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देते हुए उनके योगदान को याद किया । नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी भी उन्हें श्रद्धांजलि दी । कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें भारत रत्न देने का प्रस्ताव विधानसभा से पारित करके भारत सरकार को भेजने की मांग की । निरसा से मार्क्सवादी समन्यव समिति के सदस्य अरुप चटर्जी ने भारत रत्न की मांग की ।

वरिष्ठ विधायक सरयू राय ने शिबू सोरेन के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब वे बिहार विधानपरिषद का चुनाव लड़ रहे थे तब शिबू सोरेन ने उनका समर्थन किया था और अपना उम्मीदवार नहीं खड़ा करके उनके लिए वोटिंग कराई । मांडू से विधायक निर्मल महतो ने बीजेपी के पूर्व नेता सूर्या हांसदा के एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए सीबीआई की जांच मांग की । जेएलकेएम के विधायक जयराम महतो ने गुरुजी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्हें एक ही बार शिबू सोरेन को सामने से देखने को मिला । उन्होंने गुरुजी के नेतृत्व को याद करते हुए धनबाद, गिरिडीह में किए गए आंदोलनों को याद किया । जयराम महतो ने कहा कि शिबू सोरेन के विचारों को साकार करने का वक्त है । उन्होंने मांग की शिबू सोरेन और झारखंड के आंदोलनकारी एके रॉय, विनोद बिहारी महतो, शैलेंद्र महतो की मूर्ति पारसनाथ की सबसे ऊंची चोटी पर लगाने की मांग की ।

यात्री बस व मोटरसाइकिल की सीधी टक्कर, दो की मौत

संवाददाता

लातेहारः जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत देवबार मोड़ के पास एनएच 39 पर एक यात्री बस और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस घटना में मोटरसाइकिल सवार दो लोगों की मौत हो गई। हालांकि, मृतकों की स्पष्ट पहचान नहीं हो पाई है। लेकिन मृतकों में से एक के पास ड्राइविंग लाइसेंस मिला है, जो अब्दुल हसीम सरवर के नाम पर है। ड्राइविंग लाइसेंस धारक उत्तर प्रदेश के नोएडा का रहने वाला बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी शशि कुमार मौके पर पहुंचे और दोनों मृतकों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल, बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग कहीं जा रहे थे। इसी दौरान देवबार मोड़ के पास मोटरसाइकिल की सामने से आ रही एक यात्री बस से आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल बस के साथ कई फीट तक घसीटती चली गई। इस घटना में मोटरसाइकिल सवार दोनों लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी शशि कुमार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। हालांकि, मोटरसाइकिल सवार दोनों लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। थाना प्रभारी शशि कुमार ने बताया कि पुलिस मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज रही है। मृतकों की पहचान की पुष्टि के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

बड़ी खतरनाक है देवबार मोड, अक्सर होती है दुर्घटनाः बता दें कि राष्ट्रीय राजमार्ग 39 पर स्थित मनिका थाना क्षेत्र के देवबार मोड के पास की सड़क बेहद खतरनाक है। घुमावदार मोड़ होने के कारण सामने से आने वाले वाहनों का पता नहीं चल पाता। वाहनों की गति बढ़ने से यहां अक्सर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। हर महीने इस जगह पर कोई न कोई दुर्घटना जरूर होती है। हालांकि, जिला प्रशासन द्वारा इस जगह को ब्लैक स्पॉट के रूप में भी चिह्नित किया गया है। इसके बावजूद यहां अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

फोरलेन सड़क निर्माण के कारण सड़क की स्थिति हो गई है जर्जर : राष्ट्रीय राजमार्ग 39 को फोरलेन सड़क बनाया जा रहा है। इसके लिए काम भी शुरू हो गया है। फोरलेन सड़क निर्माण शुरू होने के कारण पुरानी सड़क की हालत बेहद जर्जर हो गई है। सड़क पर कई जगहों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। सड़क पर डायवर्सन की संख्या भी काफी बढ़ गई है। जिससे दुर्घटनाएं भी बढ़ गई हैं। लातेहार जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव ने सरकार से सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

'नसबंदी के बाद कुत्तों को छोड़ दें, आक्रामक कुत्तों को शेल्टर होम में ही रखा जाए'

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर के डॉग शेल्टर्स से आवारा कुत्तों को छोड़ने पर रोक लगाने वाले अपने 11 अगस्त के निर्देश में संशोधन कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पकड़े गए कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के बाद उसी जगह पर छोड़ दिया जाए, जहां से उन्हें उठाया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ ने साफ किया कि कुत्तों को छोड़े जाने वाला आदेश रेबीज से संक्रमित या रेबीज से संक्रमित होने की आशंका वाले या फिर आक्रामक व्यवहार वाले कुत्तों पर लागू नहीं होगा।

सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगीः न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारैया की पीठ ने कहा कि डॉग शेल्टर्स से आवारा कुत्तों को छोड़ने पर रोक लगाने वाले 11 अगस्त के निर्देश को फिलहाल स्थगित रखा जाएगा। पीठ ने नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ऐसे विशेष भोजन क्षेत्र बनाएं, जहां लोग आवारा कुत्तों को खाना खिला सकें। पीठ ने कहा कि नगर निकायों की ओर से विशेष नगरपालिका वार्ड में आवारा कुत्तों की आबादी और सघनता को ध्यान में रखते हुए भोजन क्षेत्र बनाए जाएंगे। पीठ ने साफ किया कि सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगी।

कुत्तों को गोद लेने के लिए एमसीडी के सामने आवेदन कर सकते हैं पशु प्रेमीः पीठ ने कहा कि निर्धारित भोजन क्षेत्रों के पास नोटिस बोर्ड लगाए जाएंगे, जिनमें साफ लिखा होगा कि आवारा कुत्तों को केवल उन्हीं क्षेत्रों में खाना खिलाया जाएगा। पीठ ने कहा कि सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाते पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ संबंधित कानूनी ढांचे के तहत कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने आदेश दिया कि यदि किसी लोक सेवक को अपना कर्तव्य निभाने से रोका जाता है, तो वह इसके लिए उत्तरदायी होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि पशु प्रेमी कुत्तों को गोद लेने के लिए एमसीडी के सामने आवेदन कर सकते हैं।

'ऐसे सभी मामले शीर्ष न्यायालय को हस्तांतरित कर दिए जाएंगे': इस मामले का दायरा पूरे भारत में बढ़ाते हुए पीठ ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस मामले में पक्षकार बनाया और आवारा कुत्तों के मुद्दे पर विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं को अपने पास स्थानांतरित कर लिया। पीठ ने 11 अगस्त के निर्देश पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर यह आदेश पारित किया। पीठ ने मामले की सुनवाई आठ सप्ताह बाद निर्धारित की।

हंगामे की भेंट चढ़ा मानसून सत्र, सिर्फ 37 घंटे हुई चर्चा

एक घंटे की कार्यवाही में खर्च होते हैं 1.5 करोड़

नई दिल्लीः संसद का मानसून सत्र पूरी तरह हंगामे की भेंट चढ़ गया। 21 जुलाई से शुरू हुए सत्र में चर्चा के लिए कुल 120 घंटे का समय निर्धारित था, लेकिन लगातार हंगामे के कारण लोकसभा में महज 37 घंटे ही चर्चा हो पाई। गुरुवार को लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले स्पीकर ओम बिरला ने यह जानकारी दी।

संसद में इस बार बिहार एसआईआर प्रक्रिया को लेकर पूरा गतिरोध रहा। बिहार में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया के जरिए बिहार के लोगों के वोट काटे गए हैं। विपक्ष इन्हीं मुद्दों को लेकर सदन में चर्चा के लिए आखिरी दिन तक अड़ा रहा। इस बीच, संसद में नारेबाजी, बिल फाड़कर फेंकने और तख्तियां लहराने जैसे कई घटनाक्रम देखने को मिले। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कुछ सदस्यों के आचरण पर गंभीर चिंता व्यक्त की और असंसदीय भाषा में लिखे नारों और तख्तियों के इस्तेमाल का हवाला दिया। मानसून सत्र के आखिरी मिनट में भी विपक्ष के सांसदों की सदन में नारेबाजी देखी गई। विपक्ष के सदस्य लोकसभा में वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाते रहे।ओम बिरला ने कहा कि हमारे आचरण पर पूरे देश की नजर है। उन्होंने सभी सदस्यों से सदन की गरिमा बनाए रखने और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा करने का आग्रह किया। स्पीकर के समझाने के बावजूद हंगामा जारी रहा। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सत्र के आखिरी दिन दोपहर 12.04 बजे कार्यवाही में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। विपक्ष के हंगामे के बीच स्पीकर ओम बिरला ने सदन को स्थगित करने की सूचना देते हुए पिछले एक महीने में हुए कार्यों की जानकारी दी। ओम बिरला ने बताया कि चर्चा के लिए 120 घंटे आवंटित किए गए थे। हालांकि, विपक्षी सदस्यों की ओर से बार-बार व्यवधान के कारण सिर्फ 37 घंटे ही उपयोग किए जा सके। अध्यक्ष बिरला ने कहा कि 419 तारांकित प्रश्न प्रस्तुत किए गए थे, फिर भी सिर्फ 55 का ही उत्तर दिया गया। स्पीकर ने बताया कि पूरे सत्र में 14 विधेयक पेश किए गए और 12 पारित हुए, जिनमें आयकर विधेयक, कराधान कानून (संशोधन) विधेयक और राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक शामिल हैं। ऑनलाइन गेमिंग विनियमन विधेयक भी पारित हुआ। हालांकि, संविधान में 130वें संशोधन विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया। स्पीकर ओम बिरला ने सदन को जानकारी दी कि 28-29 जुलाई को ऑपरेशन सिंदूर पर एक विशेष चर्चा हुई, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने सदन को संबोधित किया। 18 अगस्त को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों पर विशेष चर्चा की गई। सदन के आखिरी दिन कुछ सदस्यों के आचरण पर टिप्पणी करते हुए स्पीकर ओम बिरला का स्वर कठोर था। उन्होंने हंगामा करने वाले सांसदों से कहा कि जन प्रतिनिधि के रूप में हमारे आचरण और कार्यप्रणाली को पूरा देश देखता है। जनता उम्मीदों के साथ यहां चुनकर भेजती है, ताकि उनके हित के मुद्दों और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर सकें। इससे पहले, उन्होंने गुरुवार को प्राप्त कई स्थगन नोटिसों पर विचार करने से इनकार कर दिया।

मथुरा श्री कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद, हाईकोर्ट में अहम सुनवाई आज

मथुरा : मथुरा के श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से जुड़ा मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्रवार दोपहर 2 बजे इस मामले की सुनवाई होगी। जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की एकल पीठ इस मामले को देख रही है। माना जा रहा है कि कोर्ट शुक्रवार को वाद के प्रमुख बिंदुओं को तय कर सकता है, जो इस विवाद के निपटारे में महत्वपूर्ण कदम होगा। यह विवाद श्री कृष्ण जन्मभूमि और उसके निकट स्थित शाही ईदगाह मस्जिद से जुड़ा है। हिंदू पक्ष का दावा है कि मस्जिद उस स्थान पर बनी है जो भगवान कृष्ण की जन्मस्थली है। हिंदू पक्ष का दावा है कि शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण 17वीं सदी में औरंगजेब के शासनकाल में श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर बने प्राचीन केशवदेव मंदिर को तोड़कर किया गया था। उनका कहना है कि यह स्थल भगवान कृष्ण का जन्मस्थान है। वहीं, दूसरी ओर, मुस्लिम पक्ष मस्जिद की ऐतिहासिक और कानूनी वैधता का दावा करता है। इस विवाद में मंदिर की जमीन पर स्वामित्व, पूजा का अधिकार और स्थल की पुरातात्विक जांच जैसे मुद्दे शामिल हैं। वर्तमान में इलाहाबाद हाईकोर्ट में 18 से अधिक याचिकाएं लंबित हैं, जिनमें दोनों पक्ष अपने-अपने दावे पेश कर रहे हैं। इन याचिकाओं पर हाईकोर्ट में अक्टूबर 2023 से सुनवाई चल रही है। हाईकोर्ट इस मामले की सुनवाई अयोध्या राम जन्मभूमि विवाद की तर्ज पर सीधे कर रहा है। कोर्ट ने पहले ही कई याचिकाओं को एक साथ जोड़कर सुनवाई शुरू की है, ताकि मामले को जल्दी सुलझाया जा सके। शुक्रवार की सुनवाई में कोर्ट द्वारा वाद के बिंदु तय किए जाने की संभावना है, जिससे यह स्पष्ट होगा कि मामले में किन-किन कानूनी पहलुओं पर विचार किया जाएगा। यह मामला धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से संवेदनशील है। हिंदू पक्ष मंदिर के पुनर्निर्माण और जमीन पर अपने अधिकार की मांग कर रहा है, जबकि मुस्लिम पक्ष मस्जिद के ऐतिहासिक महत्व को बनाए रखने की बात कहता है।

संसद भवन की सुरक्षा में सेंध, दीवार फांदकर परिसर में घुसा संदिग्ध शख्स, सुरक्षाबलों ने पकड़ा

नई दिल्ली :संसद भवन में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक अज्ञात शख्स दीवार फांदकर परिसर के अंदर घुस गया। सूत्रों के मुताबिक, शख्स पेड़ के सहारे दीवार कूदकर संसद भवन में दाखिल हुआ। यह घटना शुक्रवार सुबह करीब 6:30 बजे की है।

जैसे ही सुरक्षाकर्मियों की नजर उस पर पड़ी, तुरंत अफरातफरी मच गई और संदिग्ध को मौके पर ही पकड़ लिया गया। इससे पहले भी संसद की सुरक्षा में चूक के मामले सामने आ चुके हैं। दरअसल, आरोपी शख्स रेल भवन की ओर से दीवार कूदकर नई संसद भवन में घुसा था। वह सीधे गरुड़ द्वार तक पहुंच गया था। हालांकि, संसद भवन में तैनात सुरक्षाबलों ने समय रहते उसे पकड़ लिया। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आरोपी का मकसद क्या था? क्या वह किसी साजिश के तहत संसद भवन में दाखिल हुआ था?

गयाजी से पीएम मोदी की हुंकार

आतंकवादी चाहे पाताल में क्यों ना छिप जाएं, भारत की मिसाइलें उन्हें दफन करके ही रहेंगी...

गयाः बिहार के गयाजी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों के लिए लगभग 13,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। बिहार चुनाव से पहले उनका यह दौरा बेहद अहम माना जा रहा है। साथ ही मोदी ने दो ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। गया और दिल्ली के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस और वैशाली और कोडरमा के बीच बौद्ध सर्किट ट्रेन, जो क्षेत्र के प्रमुख बौद्ध स्थलों पर पर्यटन और धार्मिक यात्रा को बढ़ावा देगी। मोदी ने पीएमएवाई-ग्रामीण के तहत 12,000 ग्रामीण लाभार्थियों और पीएमएवाई-शहरी के तहत 4,260 लाभार्थियों के गृह प्रवेश समारोह के हिस्से के रूप में प्रतीकात्मक रूप से कुछ लाभार्थियों को चाबियाँ सौंपी।

अपने संबोधन की शुरूआत में मोदी ने कहा कि बिहार चाणक्य और चंद्रगुप्त मौर्य की धरती है। बिहार हर समय देश की रीढ़ की हड्डी की तरह खड़ा रहा है। इस पावन धरती पर लिया गया हर संकल्प देश की शक्ति है और व्यर्थ नहीं जाता। जब पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, तब मैंने प्रण लिया था कि इस धरती से आतंकवादियों को धूल चटा दूँगा। दुनिया ने उस संकल्प को पूरा होते देखा है। उन्होंने कहा कि ये धरती, अध्यात्म और शांति की धरती है। ये भगवान बुद्ध को बोध प्राप्त कराने वाली पावन भूमि है। गया जी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत बहुत समृद्ध है। यहां के लोगों की इच्छा थी कि इस नगरी को गया नहीं, गया जी कहा जाए। मैं इस निर्णय के लिए बिहार सरकार का अभिनंदन करता हूं। मुझे खुशी है कि गया जी के तेज विकास के लिए बिहार की डबल इंजन सरकार लगातार काम कर रही है।

मोदी ने कहा कि आज ही गया जी की पावन भूमि से एक ही दिन में 12 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। इसमें ऊर्जा, स्वास्थ्य और शहरी विकास से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। इनसे बिहार के उद्योगों को ताकत मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। मैं इन परियोजनाओं के लिए बिहार के लोगों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि गरीब के जीवन से मुश्किलें दूर करना, महिलाओं के जीवन को आसान बनाना – मुझे जनता-जनार्दन का सेवक बनकर यही काम करने में सबसे ज्यादा खुशी मिलती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि गरीबों को सुविधा, सुरक्षा और सम्मान की गारंटी मेरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरा एक बड़ा संकल्प हैः जब तक हर जरूरतमंद को पक्का घर नहीं मिल जाता, मोदी चैन से नहीं बैठेगा। इसी सोच के साथ बीते 11 साल में 4 करोड़ से अधिक गरीबों को पक्के घर बनाकर दिए जा चुके हैं। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि जब-जब किसी दुश्मन ने भारत को चुनौती दी है, बिहार देश की ढाल बनकर खड़ा हुआ है। इस धरती पर लिया गया हर संकल्प कभी खाली नहीं जाता। जब कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, हमारे निर्दोष नागरिकों को उनका धर्म पूछकर मारा गया था, तब मैंने बिहार की इस धरती से आतंकियों को मिट्टी में मिलाने की बात कही थी। आज दुनिया देख रही है – बिहार की धरती से लिया गया संकल्प पूरा हो चुका है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की रक्षानीति की नई लकीर खींच दी है। अब भारत में आतंकवादी भेजकर, हमले कराके, कोई बच नहीं सकेगा। आतंकवादी चाहे पाताल में क्यों ना छिप जाएं, भारत की मिसाइलें उन्हें दफन करके ही रहेंगी।

न्यूज ब्रीफ

नरेंद्र मोदी मंच के केंद्रीय अध्यक्ष धनपति महतो ने मनाया जन्मदिन

सिल्ली: नरेंद्र मोदी विचार मंच युवा शाखा के केंद्रीय अध्यक्ष सह सिल्ली विस क्षेत्र के पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी समाजसेवी धनपति महतो ने जन्म दिवस पूरे धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया। इस दौरान उन्होंने कहा युवा जब तक आगे नहीं आएंगे तब तक विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा लोकतंत्र की मजबूती व विकास के लिए युवा एक बहुत बड़ा व महत्वपूर्ण संसाधन हैं। देश के सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन के लिए मुख्य वाहक व मुख्य अभिकर्ता भी हैं। श्री महतो ने आगे कहा कि बिकने वाला और निजी स्वार्थ की राजनीति करने वाला नेताओं के कारण झारखंड प्रदेश का अपेक्षित विकास नही हुआ। अगर ना बिकने वाला नेता चाहिए तो पहले ना बिकने वाला समाज तैयार करना होगा। ताकि गलती से कोई नेता बिक भी जाएं तो वो समाज को ना बेच पाएं, इसलिए बदलने का वक़्त और संवरने का झूठा संकल्प लेने वाले नेताओं को बदलना होगा, जैसे किसान बेहतर खेती के लिए पुराने बैलों को बदल कर नये बैल खरीदते है।

सलईडीह मंदिर से हजारों के सामान चोरी

कोडरमा: थाना क्षेत्र के सलईडीह स्थित नवनिर्मित हनुमान मंदिर में 20 अगस्त की बीती रात मंदिर में अज्ञात चोरों ने मंदिर का मुख्य गेट का ताला तोड़कर हजारों रुपए के सामानों की चोरी कर ली है। चोरी की घटना को लेकर मंदिर के मुख्य पुजारी विजय यादव समेत अन्य ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से कोडरमा थाना में आवेदन देकर मामले के जांच की मांग की है। उनके द्वारा बताया गया कि चोरों के द्वारा मंदिर में रखा साउंड सिस्टम, बैटरी, इन्वर्टर, बोर्ड, चार पीस माइक, एक साउंड मिक्सर की चोरी कर ली गई है। इधर कोडरमा पुलिस दिए गए आवेदन के आधार पर पूरे मामले की जाँच में जुट गई है। इस घटना को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समिति के सदस्यों ने चोरी की घटना की निंदा करते हुए चोरों को गिरफ्तार करने की कोडरमा पुलिस से मांग किया गया है।

नुक्कड़ नाटक से दूरदराज के इलाकों में फैल रही जागरूकता

खूंटी : जिला आपूर्ति कार्यालय, खूंटी द्वारा एक अनूठी पहल करते हुए जिले के सुदूरवर्ती और आदिवासी बहुल इलाकों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया जा रहा है। यह अभियान खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखंड सरकार और उपायुक्त आर. रॉनिटा के निर्देश पर चलाया जा रहा है। इसका मुख्य लक्ष्य प्राथमिकता गृहस्थी योजना, अन्त्योदय अन्न योजना और झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना जैसी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों तक पहुँच बनाना है। नाटक के जरिए लोगों को बताया जा रहा है कि वे जन वितरण प्रणाली (ढऊ) की दुकानों से अपना निर्धारित राशन–जिसमें चावल, गेहूं, नमक, चीनी, चना दाल के साथ-साथ धोती, साड़ी और लूंगी भी शामिल है–नियमित रूप से प्राप्त कर सकते हैं। इन नुक्कड़ नाटकों का आयोजन पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों, आदिम जनजाति समुदाय के गाँवों, स्थानीय हाट-बाजारों, चौक-चौराहों और मेलों जैसी जगहों पर किया जा रहा है। सरल और स्थानीय भाषा में मनोरंजक तरीके से दी जा रही यह जानकारी लोगों को उनके अधिकारों के प्रति सजग बना रही है ताकि वे समय पर अपना खाद्यान्न प्राप्त कर सकें। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि इस तरह की गतिविधियों से न सिर्फ लाभार्थियों की भागीदारी बढ़ेगी, बल्कि पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। इसके साथ ही, आमजनों को सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं और उनसे मिलने वाले लाभों के बारे में भी अवगत कराया जा रहा है।

एसपी ने की पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक, दिए कई आवश्यक निर्देश

चतरा: पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने पुलिस लाइन स्थित सभागार में पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक किया। बैठक में नक्सली उन्मूलन, क्राइम कंट्रोल, मामलों के त्वरित निष्पादन, केस सुपरविजन, कुर्की जप्ती, पासपोर्ट वेरिफिकेशन व अफीम ब्राउन शुगर कारोबार पर नियंत्रण की समीक्षा हुई। एसपी ने अफीम व ब्राउन शुगर तस्करों के विरुद्ध सख्त कारवाई करने का निर्देश सभी पुलिस पदाधिकारियों को दिया। एसपी ने कहा कि अफीम व ब्राउन शुगर के कारोबार में लगे लोगों को चिन्हित करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। एनडीपीएस से संबंधित कांडों का अनुसंधान त्वरित गति से करें। अफीम कारोबारियों के विरुद्ध सीसीए एवं पीआईटी एनडीपीएस प्रस्ताव प्रत्येक थाना से भेजने का निर्देश दिया गया। पुलिस पदाधिकारियों को एनडीपीएस एवं नक्सल मामलों में बेल पर बाहर आए अभियुक्तों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। बैठक में इसके अलावा लंबित कांडों का निष्पादन करने, आम नागरिकों की शिकायतों को शीघ्र समाधान करने, आम लोगों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित करने तथा आम लोगों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने का निर्देश सभी पुलिस पदाधिकारियों को दिया गया।बैठक में जिले के सभी थाना प्रभारी, पुलिस निरीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय उपस्थित थे।

रांची में 19 बालू घाटों की नीलामी जल्द

संवाददाता

रांची: झारखंड में बालू के अवैध कारोबार पर लगाम कसने और सरकारी खजाने को मजबूत करने के लिए हेमंत सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। अब रांची जिले में 19 बालू घाटों की ई-नीलामी की जाएगी। इस कदम से न सिर्फ बालू माफियाओं की कमर टूटेगी, बल्कि राज्य सरकार को सालाना करोड़ों रुपये का अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त होगा। जिला खनन कार्यालय द्वारा जारी इस सूचना के बाद से खनन क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

दावा: भ्रष्टाचार और कालाबाजारी खत्म होगी । यह महत्वपूर्ण निर्णय झारखंड बालू खनन नियमावली, 2025 के तहत लिया गया है, जिसे हाल ही में लागू किया गया है। नियमावली के अनुसार, चिह्नित किए गए 19 घाटों को कैटेगरी-2 में रखा गया है। पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी, ताकि कोई भी इसमें गड़बड़ी न कर सके। खनन के इच्छुक आवेदक आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद, ई-बोली की प्रक्रिया शुरू होगी। यह प्रणाली सरकार को पूरी प्रक्रिया पर पूर्ण नियंत्रण रखने में सक्षम बनाएगी, जिससे भ्रष्टाचार और कालाबाजारी खत्म होगी।

पर्यावरण के लिए अच्छा होगा कदमः यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में घाटों की नीलामी पारदर्शी तरीके से की जा रही है। नीलामी के लिए चुने गए घाटों में कांछी, रारु, पाकरो, सुवर्णरेखा, चट्टी और सपही जैसी प्रमुख नदियों के किनारे स्थित घाट शामिल हैं : कांची नदी : लोहातु, चुरगी, चिलुटीकर, सरजामडीह, अनरेदीह, करम्बू, पांगुरा, बरेदीह, तुनजू, एरकिया, सुमंडीह, सुतिलौंग, बादला, गोमियाडीह, हराडीह, दारूआरा, सोमाडीह। रारु नदी : श्यामनगर, बिरदीडीह, करेयाडीह, इचाहातु। पाकरो नदी : बसंतपुर। स्वर्णरेखा नदी : श्यामनगर, चोकेसेरंग, डुमरबेरा, सुंदील। चट्टी नदी : लपरा। सपही नदी : चूरी व राय। अधिकारियों ने बताया कि ई-नीलामी का विस्तृत कार्यक्रम जल्द ही घोषित किया जाएगा। गौरतलब हो कि यह कदम न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा बदलाव लाएगा।

सीबीएसई ईस्ट जोन जूडो में ग्रिजली स्कूल का शानदार प्रदर्शन

22 खिलाड़ियों की भागीदारी में जीते 14 पदक 2 स्वर्ण, 6 रजत और 6 कांस्य

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा: तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के छात्रों ने सीबीएसई ईस्ट जोन जुडो चैंपियनशिप 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। यह प्रतियोगिता अम्नीव विजन स्कूल, इटावा (उत्तर प्रदेश) में आयोजित हुई, जिसमें विद्यालय के 22 छात्रों (13 बालक एवं 9 बालिकाएँ) ने भाग लिया और कुल 14 पदक अपने नाम किए। छात्रों ने 2 स्वर्ण, 6 रजत तथा 6 कांस्य पदक जीतकर अपनी क्षमता और परिश्रम का परिचय दिया। हर्षित राज और सिमरन पाण्डेय ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि सचिन कुमार, श्रीकांत कुमार, गरिमा भारती, अक्षिता यादव, खुशी कुमारी और आरुषि कुमारी ने रजत पदक प्राप्त किया। नितेश कुमार, ऋशांत कुमार, पियूष कुमार, स्मृति कुमारी, सिंधु कुमारी और नेहा कुमारी ने कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए हर्षित राज, सचिन कुमार, श्रीकांत कुमार, सिमरन पाण्डेय, गरिमा भारती, अक्षिता यादव, खुशी कुमारी एवं आरुषि कुमारी ने सीबीएसई नेशनल जुडो चैंपियनशिप (28 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025, राजस्थान) के लिए क्वालीफाई किया। विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय के निदेशकद्वय मनीष कपसिमे एवं अविनाश सेठ, सीओओ तनिष्क सेठ, प्राचार्या अंजना कुमारी, प्रशासक अशरफ खान, संयोजकगण विजय कुमार सिंह, जितेंद्र चौधरी, बीडी नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, शिल्पी भदानी, प्रीति जगनानी, सुधांशु कुमार, राजीव रंजन सिंह और अमित दास सहित पूरे विद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों तथा उनके प्रशिक्षकों सौरभ पाठक एवं तरन्नुम खान को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सिविल सोसाइटी संगठनों के साथ आकांक्षी जिला कार्यक्रम पर उप विकास आयुक्त की बैठक

संवाददाता

खूंटी: जिले के सर्वांगीण विकास की रणनीति तैयार करने तथा चुनौतियों का निराकरण करने के उद्देश्य से उप विकास आयुक्त श्री आलोक कुमार की अध्यक्षता में सिविल सोसाइटी संगठनों (सीएसओ) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित इस बैठक में जिले के 26 सिविल सोसाइटी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य एजेंडा आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत विभिन्न मापदंडों पर विकास की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा, मौजूदा चुनौतियों की पहचान करना और हस्तक्षेप, समन्वय व अभिसरण के माध्यम से विकास कार्यों को गति देना था।

बैठक के दौरान, विभिन्न संगठनों द्वारा दी जा रही सेवाओं और उनके सामने आने वाली कार्यान्वयन संबंधी कठिनाइयों पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री आलोक कुमार ने कहा कि जिले के विकास में सिविल सोसाइटी संगठनों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी संगठनों से अपील की कि वे अपने कार्यों के परिणामों और अनुभवों को जिला प्रशासन के साथ नियमित रूप से साझा करें, ताकि प्रशासनिक सहयोग से विकास के प्रयासों को और बल मिल सके।

श्री कुमार ने संगठनों से यह भी आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को 'सक्सेस स्टोरी' के रूप में प्रस्तुत करें, ताकि अन्य संस्थाएं भी उन सफलताओं से सीख लेकर अपने कार्यक्षेत्र में उन्हें दोहरा सकें।

उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी सिविल सोसाइटी संगठनों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सभी संगठनों को मिलकर जिले के सर्वांगीण विकास में अपनी सशक्त भूमिका सुनिश्चित करनी होगी। इस बैठक के माध्यम से जिला प्रशासन और सिविल सोसाइटी के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक सार्थक पहल की गई है।

चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी. राधाकृष्णन से की मुलाकात

चतरा: चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने गुरुवार को महाराष्ट्र के वर्तमान राज्यपाल एवं झारखंड के पूर्व राज्यपाल, साथ ही एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी श्री सी.पी. राधाकृष्णन जी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर सांसद श्री सिंह ने कहा कि यह झारखंड के लिए गर्व की बात है कि हमारे राज्य के पूर्व राज्यपाल देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों में से एक उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी बनाए गए हैं। उन्होंने इस उपलब्धि को न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया। सांसद ने श्री राधाकृष्णन को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने यह विश्वास जताया कि उनके अनुभव, सादगी और जनसेवा की भावना से देश को नई दिशा मिलेगी। सांसद ने उनकी आगामी सफलता के लिए अग्रिम बधाई भी दी और कहा कि निश्चित रूप से एनडीए उम्मीदवार के रूप में वे भारी बहुमत से विजयी होकर देश की सेवा करेंगे।

स्कूली वाहन ने बाइक को मारी टक्कर,सहायक शिक्षक व उनके दो पुत्र घायल

चतरा : गिद्धौर थाना क्षेत्र के गांगपुर पीतीज मोड़ जामुन चौक के समीप स्कूली वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दिया ।जिससे बाइक सवार पिता व दो पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों के सहयोग से बेहतर इलाज के लिए तीनों को हजारीबाग सदर अस्पताल भेज दिया गया।घायल गांगपुर गांव के सहायक अध्यापक हरि साव (42),पुत्र आर्यन कुमार गुप्ता (15) व अयन कुमार गुप्ता (10 बताया जा रहा है।

खूंटी पुलिस को बड़ी सफलता, 700 ग्राम अफीम के साथ युवक गिरफ्तार

खूंटी: मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खूंटी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ग्राम सण्डासोम से 700 ग्राम अफीम बरामद करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान वीर सिंह मुंडा के रूप में हुई है। यह कार्रवाई अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक के नेतृत्व में गठित एक विशेष छापामारी दल ने अंजाम दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को वीर सिंह मुंडा के बारे में विश्वसनीय सूचना मिली थी कि वह अवैध रूप से मादक पदार्थों का कारोबार कर रहा है। इस सूचना के आधार पर एपीओ वरुण रजक की अगुवाई में पुलिस टीम ने ग्राम सण्डासोम स्थित आरोपी के घर को चारों ओर से घेराबंदी कर छापा मारा। छापे के दौरान पुलिस को उसके घर से 700 ग्राम अफीम बरामद हुई। बरामद अफीम की कीमत बाजार में लाखों रुपये आंकी जा रही है। सबूत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी वीर सिंह मुंडा को उसी वक्त गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी पर मारंगहादा थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह अफीम कहां से आई और इसके और किन लोगों से जुड़े होने का संदेह है। बताया जा रहा है कि खूंटी जिले में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 'जीरो टोलरेंस अभियान' चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अवैध मादक पदार्थों, अवैध हथियारों, जुआ और सट्टेबाजी जैसे अवैध कार्यों पर कड़ी रोक लगाई जा रही है। यह गिरफ्तारी इसी अभियान की एक कड़ी है। पुलिस का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न, उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

संवाददाता

चतरा: समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग अंतर्गत सभी इकाइयों की समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिले के शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने, छात्र-छात्राओं की पढ़ाई में गुणवत्ता लाने और विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए तथा लापरवाही पाए जाने पर कड़ी फटकार भी लगाई। बैठक में सबसे पहले सावित्रीबाई फुले योजना की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि इस योजना के तहत पात्र छात्राओं का नाम ई-विद्यावहिनी पोर्टल पर एक सप्ताह के भीतर पूर्ण रूप से दर्ज कर लिया जाए। इसी तरह, जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा 6 नामांकन परीक्षा में अधिक से अधिक बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। इसके लिए सभी प्राथमिक, मध्य और उत्क्रमित मध्य विद्यालयों से कक्षा 5 में पढ़ने वाले कम-से-कम पाँच-पाँच छात्र-छात्राओं का ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य करने का आदेश दिया गया। इसके साथ ही जिले में संचालित गैर-मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को एक सप्ताह के भीतर आरटीई से संबद्ध कराने का सख्त निर्देश दिया गया। बैठक में यह बात सामने आई कि हंटरगंज प्रखंड के साधनसेवियों द्वारा विद्यालयों का अपेक्षित अनुश्रवण नहीं किया जा रहा है। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए उपायुक्त ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई और उनका मानदेय तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का निर्देश दिया। बैठक में पीएम. श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय योगियारा के कमजोर प्रदर्शन पर भी चिंता जताई गई। जिला रेल परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन नहीं करने के कारण विद्यालय प्रशासन को फटकार लगाई गई और स्पष्ट चेतावनी दी गई कि आगामी परीक्षाओं में सुधार नहीं होने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में सभी विद्यालयों को नर्सरी के साथ समन्वय स्थापित कर प्लांटेशन ड्राइव को गति देने का निर्देश भी दिया गया। इसके अतिरिक्त, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के लिए अलग से पोर्टल तैयार कराने का निर्देश जारी किया गया। वहीं, प्रखंड स्तर पर एम.आई.एस. समन्वयकों द्वारा पुस्तक वितरण कार्य पोर्टल पर प्रविष्टी पूर्ण नहीं कराये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उनका मानदेय भी रोक दिया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जिला रेल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 15 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही सभी विद्यालयों को उपस्थिति एवं परिणाम में सुधार का सख्त निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि वर्स्ट स्कूलों की पहचान कर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। छात्र-छात्राओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला रेल परीक्षा में लगातार 30 दिनों से अनुपस्थित बच्चों की सूची तीन दिनों के भीतर उपलब्ध कराने को कहा गया। इसी प्रकार, डब्ल्यूश विद्यालयों में इंटर-मीट आयोजित कराने और रिक्त सीटों पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर नामांकन पूर्ण कराने का निर्देश भी दिया गया।बैठक में यह भी तय किया गया कि सभी प्रखंड साधनसेवियों से विद्यालयों में अधिष्ठापित लैब की सत्यापन व क्रियाशीलता संबंधी प्रतिवेदन तीन दिनों के अंदर मांगा जाएगा। साथ ही सभी विद्यालयों में आगामी विज्ञान प्रदर्शनी व जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता की तैयारी समय रहते सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया।अंत में उपायुक्त ने कहा कि अगली बैठक में जिला रेल परीक्षा में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित और पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता स्वीकार्य नहीं होगा और विभागीय योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत बच्चों तक पहुँचना चाहिए।समीक्षात्मक बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्र, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी राकेश कुमार पाण्डेय, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी बिनोद कुमार, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी तथा सभी वार्डेन-सह-शिक्षिका, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

घर में दिन दहाड़े चोरी करने घुसे दो चोर गिरफ्तार, भेजे गए जेल

चतरा: शहर के केसरी चौक निवासी रंजीत चौधरी के घर में दो चोर चोरी करने के लिए दिन दहाड़े घूस गए। घर वालों ने दोनों को पकड़ कर एक कमरे में बंद कर दिया और पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों चोरों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में नूर नगर मोहल्ला निवासी मो इमाम का पुत्र मो अब्दुल्ला व केसरी चौक निवासी महेश प्रसाद का पुत्र अमन कुमार का नाम शामिल है। इनके पास से चोरी का पांच हजार रुपए भी बरामद किया गया है। सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों चोरों को चोरी करते रंगे हाथ पकड़ा गया है।

शिबू सोरेन के नाम पर राजधानी में बनेगा स्मृति पार्क, जमीन चिन्हित करने में जुटी सरकार

संवाददाता

रांची: दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर राज्य सरकार भव्य स्मृति पार्क बनाने का निर्णय लिया है। विधानसभा परिसर में इसकी औपचारिक घोषणा नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने की है। उन्होंने कहा कि राजधानी रांची में दिशोम गुरु के जीवन से संबंधित स्मृति पार्क बनाया जाएगा इसके लिए जमीन चिन्हित किया जा रहा है। जल्द ही स्थान का चयन कर-के इसे मूर्तरूप देने का काम किया जाएगा ताकि यहां आनेवाले बाहर के लोग भी दिशोम गुरु के जीवन और उनके संघर्ष को जान सके।

विधानसभा परिसर में पूरक मानसून सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए तैयारी शुरू हो गई है। स्मृति पार्क में गुरुजी की आदमकद प्रतिमा, उनके संघर्ष और आंदोलन से जुड़ी तस्वीर के साथ पार्क और हॉल का निर्माण होगा। जिससे यहां आनेवाले पर्यटकों को आसानी से गुरुजी शिबू सोरेन के बारे में जानकारी मिल सके।

नगर विकास ने आवास बोर्ड से मांगी जमीनः दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर स्मृति पार्क राजधानी रांची के हरमू रोड स्थित बाईपास में बनाए जाने की संभावना है। प्रस्तावित निर्माण स्थल के लिए नगर विकास विभाग ने झारखंड राज्य आवास बोर्ड से जमीन मांगी है। आवास बोर्ड ने जमीन चिह्नित करने का काम शुरू कर दिया है। आवास बोर्ड जल्द ही नगर विकास विभाग को जमीन मुहैया कराएगा। संभावना है कि रांची के बाईपास रोड में डीपीएस स्कूल के पास स्थित भुसूर मौजा में गुरुजी का स्मृति स्थल बनाए जाने पर मुहर लग जाए।

इस मुख्य मार्ग पर स्थित भुसूर मौजा में कई एकड़ जमीन खाली पड़ी है। हालांकि इसके लिए अंतिम मुहर कैबिनेट के निर्णय के बाद होगा जिसमें इसके निर्माण पर होनेवाले खर्च एवं अन्य राशि निर्धारित होगी।

वार्ड 36 स्थित नगर आवासीय पंच मंदिर परिसर में महाभंडारा का भव्य आयोजन

संवाददाता

रांची: वार्ड नंबर 36 अरगोड़ा पीपर टोली नागड़ा ढीपा तारा नगर आवासीय परिसर स्थित पंच मंदिर में गुरुवार को श्री कृष्णा मुरारी बाल गोपाल की छठी बड़े ही हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनायी गयी। अपराह्न 2 बजे से ही तारा नगर आवासीय परिसर में रहने वाली माताओं -बहनों की समूहों ने महाप्रसाद बनाने का कार्य मंदिर परिसर में शुरू किया जो शाम 6 बजे तक सभी व्यंजन के साथ ही छप्पन भोग महाप्रसाद बन कर तैयार हो गया था।

पंच मंदिर तारा नगर के प्रधान पुजारी पंडित मणिकांत पाठक ने बताया कि भारी बारिश के बावजूद सैकड़ों भक्तों ने देर रात तक भजन कीर्तन एवं सज धज कर छोटे- छोटे बच्चों द्वारा कृष्ण , गोपियां बन बाल गोपाल रास लीला संगीत प्रस्तुत किया, जो काफी आकर्षक एवं मनभावन प्रस्तुति थी। जैसे साक्षात भगवान कृष्णा सभी के साथ मनोरंजन कर रहे हैं। पंच मंदिर परिसर तारा नगर आवासीय परिसर में पहली बार कृष्णा जी की छठि बहुत ही अच्छा व्यवस्थित तरीके से दिखा। देर रात तक महाप्रसाद ग्रहण करने वाले श्रद्धालुओं भक्तों माताओं बहनों बुजुर्गो एवं अभिभावकों के साथ साथ छोटे छोटे बच्चों ने नन्द के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की की उद्घोष के साथ अपनी भागीदारी निभाते हुए कार्यक्रम की समाप्ति किया।

प्रधान पुजारी पंडित मणिकांत पाठक जी ने इस भव्य छठी आयोजन की आपार सफलता पर तारा नगर आवासीय परिसर में रहने वाले सभी परिवारों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

एक्सपो उत्सव में लगेंगे देश-विदेश के 300 स्टॉल

जेसीआइ, रांची का एक्सपो उत्सव 2025 के लिए एक्सपो ऑफिस खुल गया है

रांची: जेसीआइ, रांची का एक्सपो उत्सव 2025 के लिए एक्सपो ऑफिस खुल गया है। उदघाटन संस्था के पूर्व अध्यक्ष आनंद धानुका ने किया। अध्यक्ष प्रतीक जैन ने कहा कि एक्सपो का यह 28वां साल है। यह एक्सपो पूर्वी भारत का सबसे बड़ा ट्रेड फेयर है। 300 से अधिक स्टॉल आ रहे हैं। एक्सपो में होम डेकोर, रियल इस्टेट, ऑटो जोन, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, लेडीज कॉर्नर, फर्नीचर जोन, स्टार्टअप बाजार, फूड कोर्ट और अन्य सेक्शन भी रहेगा। संस्था के पूर्व सचिव सिद्धार्थ जायसवाल ने इस बार एक्सपो का कमान संभाला है। एक्सपो के सातों दिन कुछ नया रहेगा। इसमें फैशन शो, तंबोला, हेल्दी बेबी व मोम शो, वॉयस ऑफ एक्सपो, डॉग शो, एक्सपो ट्रेजर हंट, पेंटिंग कंपीटिशन, फैंसी ड्रेस कंपीटिशन होगा। मौके पर आदित्य जालान, रौनक, सन्नी केडिया, अभिनव मंत्री, मोहित वर्मा, नवीन गाड़ोदिया, रॉबिन गुप्ता, संजय शर्मा, तरुण अग्रवाल, अभिनव गर्ग, समर्थ अग्रवाल, केशू जैन, मोहित बाग्ला व अन्य उपस्थित थे।

बिलासपुर मंडल में हो रहे नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण रांची रेल मंडल से गुजरने वाली 6 ट्रेनें रद्द

संवाददाता

रांची: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है। इसका सीधा असर रांची रेल मंडल से होकर चलने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनों पर पड़ेगा। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि तकनीकी कार्य को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर ट्रेनें रद्द की गई हैं।

रद्द ट्रेनों की सूची

- ट्रेन संख्या 17005 हैदराबाद-रक्सौल एक्सप्रेस : 21 अगस्त को रद्द
- ट्रेन संख्या 17006 रक्सौल-हैदराबाद एक्सप्रेस : 24 अगस्त को रद्द
- ट्रेन संख्या 17321 वास्को डी गामाझजसीडीह एक्सप्रेस : 22 अगस्त को रद्द
- ट्रेन संख्या 17322 जसीडीह-वास्को डी गामा एक्सप्रेस : 25 अगस्त को रद्द
- ट्रेन संख्या 22358 गयाझलोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस : 27 अगस्त को रद्द
- ट्रेन संख्या 22357 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गया एक्सप्रेस : 29 अगस्त को रद्द
- रांची- गोमती नगर द्वि-साप्ताहिक ट्रेन की मांग

इधर, जोनल रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति के सदस्य अरुण जोशी ने दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा को पत्र लिखकर रांचीझगोमती नगर ट्रेन शुरू करने की मांग की है। इसकी जानकारी सलाहकार समिति के सदस्य अरुण जोशी ने खुद दी है। उन्होंने कहा कि फिलहाल रांची- बनारस एक्सप्रेस सप्ताह में केवल पांच दिन चलती है। शेष दो दिन बुधवार और रविवार को इसकी रेक हटिया स्टेशन पर खड़ी रहती है। इस उपलब्ध रेक का प्रभावी उपयोग करते हुए रांची-लोहरदगा- टोरी-डालटनगंज-सासाराम-वाराणसी-अयोध्या होकर गोमती नगर तक द्वि-साप्ताहिक ट्रेन सेवा प्रारंभ की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि सोननगर-रिचुघुटा खंड पर तीसरी लाइन शुरू हो जाने से ट्रैफिक लोड कम हुआ है और समयपालन में सुधार आया है। ऐसे में नई ट्रेन सेवा न केवल व्यावहारिक होगी, बल्कि यात्रियों को भी बड़ी राहत देगी और रेलवे को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा।

त्योहारों के मौसम को देखते हुए रेलवे ने दो विशेष ट्रेनों की घोषणा की है

- भुवनेश्वर- धनबाद फेस्टिवल स्पेशल : 30 नवंबर तक चलेगी।
- धनबाद-भुवनेश्वर फेस्टिवल स्पेशल : 1 दिसंबर तक चलेगी।

इसके अलावा

सांतारागाछी-अजमेर पूजा/दीपावली/छठ स्पेशल : 22 सितंबर से 24 नवंबर तक हर सोमवार चलेगी।

-अजमेर- संतरागाछी स्पेशल (वाया रांची) : 25 सितंबर से 27 नवंबर तक हर शनिवार चलेगी।

रांची रेल मंडल ने द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अभी आरक्षित श्रेणी की बोगियों में भीड़ सामान्य है, लेकिन सितंबर के अंत तक आरक्षण तालिका हाउसफुल होने की संभावना जताई गई है।

अग्निवीर भर्ती रैली आज से

रांची: राजधानी रांची के खेलगांव स्टेडियम में अग्निवीर भर्ती रैली शुरू हो रही है, जो 4 सितंबर तक चलेगी। इस दौरान अग्निवीर के कई पदों पर बहाली की जाएगी। सेना की ओर से जानकारी दी गई है कि जिन उम्मीदवारों ने पहले कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (उएए) पास कर लिया है उनके एडमिट कार्ड ईमेल पर भेजे जा चुके हैं। इसके साथ ही उम्मीदवार अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। उम्मीदवारों से कहा गया है कि वे भर्ती में शामिल होते समय अपने साथ ऑनलाइन चरित्र प्रमाण पत्र, निवास और जाति प्रमाण पत्र समेत सभी जरूरी दस्तावेज जरूर लेकर आएं।

रांची में बस टर्मिनल के साथ बनेगा राज्य का सबसे बड़ा मॉल, 7.36 लाख वर्गफीट में फैला रहेगा

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संतुलित और समग्र नगरीय विकास के विजन को मूर्त रूप देने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। नगर विकास और आवास विभाग ने रिंग रोड के नजदीक दुबलिया में प्रस्तावित इंटर स्टेट बस टर्मिनल के साथ झारखंड का सबसे बड़ा मॉल बनाने की संकल्पना योजना पर काम शुरू कर दिया है।

नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि रांची समेत अन्य नगरों का विकास पर्यटकीय आधार पर किया जाए। इसी कड़ी में कर्नाटक की सरकारी परामर्शी एजेंसी क्लएउ ने गुरुवार को विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार के समक्ष मॉल और क्लइळ का कंसेप्ट प्लान प्रस्तुत किया।

प्रधान सचिव ने एजेंसी को योजना के प्रारूप में कुछ संशोधन करने और एक सप्ताह के भीतर संशोधित ड्राफ्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा मॉल ऐसा होना चाहिए जहां लोग ट्रैफिक जाम और भीड़भाड़ से दूर प्राकृतिक वातावरण में खरीदारी और समय बिता सकें। डिजाइन में हरियाली, सांस्कृतिक परिवेश, आधुनिकता और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए।

इस मॉल और आईएसबीटी के निर्माण से रिंग रोड और आसपास के क्षेत्रों में समतुल्य नगरीय व पर्यटकीय विकास होगा। इससे न केवल रांची बल्कि पतरातु, रामगढ़, कुडू और लोहरदगा के लोग भी लाभान्वित होंगे। यहां उन्हें ब्रांडेड सामान, आधुनिक परिवहन और मनोरंजन की सभी सुविधाएं एक साथ मिल सकेंगी।

हंटरगंज में शुरू हुआ सशक्त पंचायत नेत्री प्रशिक्षण अभियान

चतरा: जिले के हंटरगंज प्रखंड कार्यालय सभागार में सशक्त पंचायत नेत्री अभियान के तहत तीन दिवसीय निर्वाचित महिला वार्ड सदस्यों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण की शुरूवात गुरुवार को हुआ। जिसका विधिवत उद्घाटन बीडीओ निखिल गौरव कमान कच्छप ने किया।इस दौरान उपस्थित महिला वार्ड सदस्यों को उनके अधिकार व योजना से संबंधित जानकारी दी गयी।इस दौरान महिलाओं के अधिकार व कर्तव्य, योजना चयन की प्रक्रिया के साथ विभाग से संबंधित जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण में सबसे पहले परिचय अधिकार और कर्तव्य को लेकर जानकारी दी गयी। मास्टर ट्रेनर सुप्रिया कुमारी और अनिता यादव ने जेंडर विषय पर समाज में इसकी अवधारणा और इसका महिलाओं पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी दी। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में महिला वार्ड सदस्यों के जगह उनके पति कार्य करते हैं और वास्तविक सदस्य जो हैं वह वंचित रह जाते हैं इससे हम महिलाओं को आवेहलना महसूस होता है। आगे कहा गया कि यह प्रशिक्षण तीन दिनों तक चलेगा जिसमें वार्ड सदस्य महिलाओं को अपनी अधिकार और कर्तव्य के प्रति जागरूक करना है ताकि ओ खुद अपने कार्य को कर सकते वो अपने वार्ड के मुखिया है यह उन्हें समझने की जरूरत है। मौके पर प्रखंड के 139 महिला वार्ड सदस्य मौजूद थे।

हज यात्रा में अग्रिम राशि जमा करने की तिथि बढ़ी

रांची: हज यात्रा 2026 के लिए अग्रिम और लघु हज राशि जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गयी है। अब चयनित हज यात्री 25 अगस्त तक भुगतान कर सकेंगे। जबकि पहले यह तिथि 20 अगस्त निर्धारित थी। हज कमेटी के अनुसार प्रत्येक चयनित यात्री को 152300 अग्रिम राशि, विविध देय 2000 और 300 गैर-वापसी योग्य प्रोसेसिंग शुल्क निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करना अनिवार्य है। इसमें लघु हज के लिए चयनित यात्री भी शामिल हैं। हज कमेटी की वेबसाइट या हज सुविधा ऐप के जरिए ई-पेमेंट सुविधा उपलब्ध है। क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग से ऑनलाइन भुगतान किया जा सकता है। भारतीय स्टेट बैंक या यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा में सीधे जमा होगा। कमेटी ने स्पष्ट किया कि जिन आवेदकों ने लघु हज का विकल्प चुना था और कुर्रा (डिजिटल रैंडम चयन) प्रक्रिया में चयनित हुए हैं, उन्हें लघु हज पैकेज आवंटित किया गया है। ऐसे यात्रियों को भी निर्धारित समय में भुगतान करना होगा। इस वर्ष झारखंड से 1654 यात्री हज यात्रा पर जायेंगे।

खाद व बीज निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री करने वाले दुकानदारों पर होगी कड़ी कार्रवाई:गौतम कुमार

चतरा : जिला कृषि पदाधिकारी गौतम कुमार ने गुरुवार को गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय के आधा दर्जन खाद बीज दुकान का जांच की। इस क्रम में यूरिया एवं डीएपी खाद का स्टॉक पंजी,निर्धारित दर तालिका सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज की जांच किया।वहीं दूसरी ओर दुकान की जांच की खबर मिलते ही कई दुकानदार दुकान बंद कर फरार हो गए। बताया गया कि कई दुकानदार खाद व बीज निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ किसी भी स्थिति में धोखा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा दोषी पाए जाने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

साली के साथ शादी करने रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचा युवक, पहुंचा हवालात

चतरा: चतरा के पुराना कोर्ट परिसर में गुरुवार को अजीबो गरीब मामला सामने आया। साली के साथ शादी करने के लिए पुराना कोर्ट परिसर स्थित रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचा युवक हवालात पहुंच गया। परिसर में युवक की पत्नी ने जमकर हंगामा किया। परिसर में हो हंगामे की सूचना स्थानीय लोगों ने सदर थाना पुलिस को दे दी। पुलिस की टीम पहुंची और आरोपी पति को हिरासत में लेकर सदर थाना ले आई। आरोपी युवक मनीष कुमार साव जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के सेरनदाग गांव निवासी हीरा लाल साव का पुत्र है। जबकि उसकी पत्नी संगीता देवी हजारीबाग जिले के केरेडारी निवासी कामेश्वर साव की पुत्री है। सदर थाना पहुंची संगीता देवी ने बताया कि 2021 में उसकी शादी मनीष कुमार के साथ हुई है। शादी के बाद उसका एक बेटा भी हुआ। इस बीच उसके पति का चक्कर उसकी ही छोटी बहन सुषमा के शुरू हो गया। जब उसने इसका विरोध किया तो उसके पति ने उसके साथ मारपीट करने लगा।

प्रमुख समाजसेवी और कांग्रेसी नेता की 15वीं पुण्यतिथि मनाई गई

संवाददाता

रांची: वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व प्रमुख समाज सेवी स्वर्गीय नारायण प्रजापति की 15वीं पुण्यतिथि कुम्हार टोली चुना भट्टा स्थित, प्रजापति भवन में मनाई गई। राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश प्रजापति की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मोहल्ला एवं समाज के कई लोग शामिल हुए। सभी ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए समाज और क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया । इस मौके पर समाज सेवी विक्रांत विश्वकर्मा, प्रेम वर्मा, सुरेश गोप व अन्य ने कहा कि जो सम्मान और स्थान इस क्षेत्र में नारायण प्रजापति को मिलना चाहिए था। वह नहीं मिला। हम लोग एक बार मोहल्ला और समाज के सभी लोगों को यह सामूहिक प्रयास करना चाहिए कि उन्हें क्षेत्र में उचित स्थान और सम्मान दिया जाए। क्योंकि इस क्षेत्र के विकास में उनकी भूमिका काफी अहम रही है।

इस अवसर पर नारायण प्रजापति के पुत्र कौशल आनंद, बहू मोनिका देवी, भतीजा एच मयूख, सुरेश गोप, प्रेम वर्मा, जगदीश वर्मा, अजय सिंह, भोला चौधरी, दिल्लू प्रजापति, राजेश प्रजापति, राजन प्रजापति, शैलेंद्र प्रजापति, सीताराम प्रजापति, वासुदेव प्रजापति, सूरज कुमार, प्रताप कुमार, विक्रांत विश्वकर्मा सहित कई गण्य मान लोग उपस्थित हुए।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, रामगढ़
रामगढ़ थाना के सामने, थाना चौक/गांधी चौक, रामगढ़ कैन्ट, जिला– रामगढ़, झारखण्ड– 829122, ई-मेल– eercdramgarh-jhr@nic.in

अतिअल्पकालीन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 04 वर्ष– 2025–26 दिनांक– 20.08.2025

1.	विज्ञापन दाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, रामगढ़।
2.	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	दिनांक 28.08.2025 को 03.00 बजे अपराह्न तक।
3.	निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवं समय	दिनांक 29.08.2025 को 03.00 बजे अपराह्न तक।
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 29.08.2025 को 03.30 बजे अपराह्न से।
5.	परिमाण विपत्र की बिक्री की स्थान	1. मुख्य अभियंता(या०), पथ निर्माण विभाग, धुर्वा, झारखण्ड, राँची 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता ,पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, रामगढ़।
6.	निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान	1. मुख्य अभियंता(या०), पथ निर्माण विभाग, धुर्वा, झारखण्ड, राँची 2. अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। 3. कार्यपालक अभियंता ,पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, रामगढ़।

7. कार्य की विवरणी निम्नवत् है :–

क्र० सं०	अंचल का नाम	प्रमण्डल का नाम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	हजारीबाग	रामगढ़	Ordinary Repair Work of Rajrappa-Dhobiyajara Road under Non-Plan Head for the year 2025-26	10.00	20,000/-	1,250/-	02(दो) माह
2			Ordinary Repair Work of Saunda 'D'-Urimari Road under Non-Plan Head for the year 2025-26	15.00	30,000/-	2,500/-	02(दो) माह
3			Construction of RCC Drain in Sandi-Bijuliya Road under Non-Plan Head for the year 2025-26	45.00	90,000/-	5,000/-	03(तीन) माह
4			Construction of Stone Masonary Guard Wall (3.00 Mtr. Height) in Rajrappa-Dhobiyajara Road under Non-Plan Head for the year 2025-26	30.00	60,000/-	5,000/-	03(तीन) माह

- निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट पर देखी जा सकती है।
- प्राक्कलन की राशि घटने या बढ़ने पर अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है।
- PWD कोड में संशोधन के फलस्वरुप 10% प्रतिशत न्यूनतम दर की अधिसीमा समाप्त कर दी गई है।
- कार्य का परिमाण विपत्र के क्रय हेतु पथ निर्माण विभाग का निबन्धन प्रमाण–पत्र, GSTiN से संबंधित प्रमाण–पत्र की सुस्पष्ट छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा अन्यथा परिमाण विपत्र निर्गत नहीं किया जायेगा।
- बैंक ड्राफ्ट या बैंकर्स चेक निविदा आमंत्रण सूचना का दैनिक हिन्दी समाचार पत्रों में प्रकाशन की तिथि के बाद SBI बैंक द्वारा निर्गत होना अनिवार्य होगा अन्यथा परिमाण विपत्र निर्गत नहीं किया जायेगा।
- परिमाण विपत्र का मूल्य बैंक ड्राफ्ट या बैंकर्स चेक (केवल SBI बैंक द्वारा निर्गत) के रूप में मान्य होगा जो कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग पथ प्रमण्डल रामगढ़ के पदनाम से देय होगा एवं भारतीय स्टेट बैंक, रामगढ़ कैन्ट, जिला– रामगढ़ के मुख्य शाखा, रामगढ़ (ब्रांच कोड–SBIN0000164) में भुगतेय होना अनिवार्य होगा।

कार्यपालक अभियंता
प०नि०वि० पथ प्रमण्डल रामगढ़

PR 360036 (Road)25-26*D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

मनी गेमिंग पर रोक

यह एक हकीकत है कि ऑन लाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति को भी बदहाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में हर साल 45 करोड़ लोग बीस हजार करोड़ गवां देते हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते हैं। सवाल इन लालच जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं के बाद सरकार ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। दरअसल, सरकार का मानना है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग एक सामाजिक और जन स्वास्थ्य के लिये घातक समस्या है। सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। निर्विवाद रूप से हाल के वर्षों में ऑनलाइन स्किल गेमिंग उद्योग ने तेजी से विस्तार किया है। जिसमें पूर्व और वर्तमान क्रिकेटरों और फिल्मी सितारों के प्रचार की भी भूमिका रही है। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। इसमें सरकार को राजस्व की भारी हानि भी हो सकती है। वहीं तसवीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि कई उद्यमी तेजी से उभरते इस गेमिंग व्यवसाय के पराभव की चिंता जता रहे हैं। बताया जाता है कि देश में जो ग्यारह सौ से अधिक गेमिंग कंपनियां तथा करीब चार सौ स्टार्टअप ऑनलाइन गेमिंग उद्योग से जुड़े हैं, जिनके नियमन के बारे में सोचा जा सकता था। उनकी चिंता है कि इससे बड़ी संख्या में नौकरियां जा सकती हैं। लेकिन सरकार का कहना है कि उसने जनकल्याण को ध्यान में रखकर यह फैसला लिया है। लेकिन दूसरी ओर चिंता जतायी जा रही है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग के वैध प्लेटफॉर्म बंद होने से खेलने वाले लोग अनियमित विदेशी ऑपरेटरों के शिकार बन सकते हैं। इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। निस्संदेह, वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन-शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं। निस्संदेह, यह मामला सभी हितधारकों के लिये एक चेतावनी है, लेकिन इस बाबत कोई भी जल्दबाजी वाली प्रतिक्रिया नहीं दी जानी चाहिए। इसके बजाय, ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता था। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की जरूरत थी। इस अभियान में गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुमार्ना भी लगाया जा सकता था। वहीं दूसरी ओर बड़े-बड़े दावे करने वाली मशहूर हस्तियों पर कार्रवाई भी की जा सकती थी। ऐसे में तेजी से उभरते इस आर्थिक क्षेत्र को डूबने से भी बचाया जा सकता था। कभी-कभी कड़े प्रतिबंध जैसे कठोर कदम उल्टा असर भी डाल सकते हैं।

सेवा की सजा

इसमें दो राय नहीं कि जब भी मूल रूप से जेल की अवधारणा का विकास हुआ होगा, तो उसका मकसद भटके लोगों के जीवन में सुधार ही रहा होगा। किसी सभ्य समाज के कायदे-कानून तोड़ने वाले, भटके हुए लोगों को जेल के एकाकी जीवन में आत्ममंथन का समय देने का भी मकसद रहा होगा। साथ ही यह भी अहसास कराना होगा कि समाज से विलग रहने के क्या मायने हैं। वहीं दूसरी ओर जीवन मूल्यों व सामाजिकता का अहसास कराना भी मकसद रहा होगा। दरअसल, भारतीय न्याय संहिता, 2023 पर आधारित नई व्यवस्था छोटे अपराधों के लिए दोषियों को जेल भेजने के बजाय समाज सेवा करने का अवसर देती है। ताकि उन्हें अपनी गलती का अहसास हो और उत्तरदायित्व के साथ सामाजिकता का बोध हो सके। हरियाणा सरकार द्वारा जारी सामुदायिक सेवा दिशानिर्देश, 2025 की अधिसूचना आपराधिक न्यायिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। जिसका लक्ष्य दंड देने के बजाय सुधार व बदलाव है। ऐसे समय में जब देश की जेलें कैदियों की निर्धारित संख्या से कहीं अधिक बोझ उठा रही हैं। विचाराधीन कैदियों की संख्या 76 फीसदी से अधिक है, राज्य की यह पहल कम जोखिम वाले अपराधियों के लिये कारावास का सकारात्मक विकल्प प्रदान करती है। निस्संदेह, इस पहल का दायरा व्यापक होने के साथ ही उद्देश्यपूर्ण भी है। यह व्यवस्था कम संगीन अपराधों के लिये दोषियों को पार्कों के रखरखाव, अस्पतालों में मरीजों की सहायता करने, आंगनबाड़ियों में योगदान देने, ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण, स्वच्छ भारत तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे राष्ट्रीय अभियानों में योगदान के लिये प्रेरित करती है। इस बाबत जारी दिशा-निर्देश किशोरों के लिये भी भूमिकाएं निर्धारित करते हैं। मसलन, नेशनल कैडिट कोर प्रशिक्षण, राष्ट्रीय सेवा योजना, पर्यावरण परियोजनाएं तथा महिलाओं के लिये प्रसूति वार्ड व शिशु देखभाल केंद्र जैसे सुरक्षित स्थानों पर सेवा करने का अवसर प्रदान करती है। निश्चय ही नई व्यवस्था जहां एक ओर अपराधियों को उनके अपराध का प्रायश्चित करने का अवसर प्रदान करती है, वहीं समाज में उनके योगदान को बढ़ावा देती है। दरअसल, हरियाणा मॉडल के तहत की जाने वाली पहल, उसे अन्य राज्यों के प्रयासों से विशिष्टता प्रदान करती है। जैसे कि दिल्ली में 40 से 240 घंटे की सेवा निर्धारित करने वाली नीति से अलग, इसके परिचालन का विवरण, इसे विश्वसनीय बनाता है। इसके अंतर्गत बायोमेट्रिक उपस्थिति, जियो-टैग की गई तस्वीरें, वीडियो प्रमाण और प्रगति रिपोर्टिंग सत्यापन इसकी सार्थकता सुनिश्चित करती है। चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों को गौशालाओं और वृद्धाश्रमों में सेवा करने की सजा और जम्मू की एक अदालत द्वारा अपराधियों को स्वास्थ्य केंद्र और पार्क की सफाई करने के लिये बाध्य करने का आदेश यह दशार्ता है कि सामुदायिक सेवा समाज को लाभ पहुंचाने के साथ ही भटके व्यक्ति के व्यवहार को कैसे नया रूप दे सकती है। निस्संदेह, इस सुधार अभियान को सफल बनाने के लिये सुरक्षा उपाय भी बेहद जरूरी हैं। इस बात में सावधानी बरती जानी चाहिए कि समाज में बार-बार अपराध करने वालों को इस व्यवस्था से बाहर रखा जाए। दूसरा, इससे जुड़ी निगरानी पारदर्शी और मजबूत होनी चाहिए।

अग्नि-5: भारत की रक्षा क्षमता में ऐतिहासिक छलांग

> यह यात्रा 1980 के दशक में इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम से शुरू हुई थी। इसके साथ ही पूर्व राष?ट्रपति एवं भारत के महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की अगुवाई में अग्नि श्रृंखला की नींव रखी गई थी। जिसने अपना साकार रूप लेना शुरू किया 2002 से, जब अग्नि-1 के साथ शुरूआत हुई जिसकी रेंज 700-900 किलोमीटर थी। इसके बाद अग्नि-2, अग्नि-3 और अग्नि-4 का विकास हुआ और हर नए संस्करण द्वारा भारत की क्षमता को एक कदम आगे बढ़ाया गया।

डॉ. मयंक

दुनिया भर में युद्ध और तनाव का माहौल है। रूस-यूक्रेन युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा, चीन-ताइवान विवाद गहराता जा रहा और मध्य-पूर्व में लगातार संघर्ष जारी है। ऐसे समय में भारत ने अपनी रक्षा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 20 अगस्त 2025 को ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से भारत ने लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया। यह न केवल तकनीकी सफलता है, बल्कि भारत की बढ़ती सैन्य और सामरिक ताकत का स्पष्ट संकेत भी है।

पांच हजार किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता

अग्नि-5 मिसाइल की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लंबी दूरी की क्षमता है। यह मिसाइल 5000 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता रखती है और परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। तीन चरण वाले ठोस ईंधन रॉकेट मोटर से उड़ान भरने वाली यह मिसाइल आधुनिक नेविगेशन सिस्टम से लैस है और इसमें मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल (टक्क्ञ्) तकनीक का इस्तेमाल हुआ है। यानी यह एक साथ कई लक्ष्यों को साध सकती है। ऊ्रछ्ड प्रमुख डॉ. समीर वी कामत ने कहना है कि अग्नि-5 का यह परीक्षण भारत की सामरिक शक्ति को नए स्तर पर ले जाता है। यह न केवल हमारी वैज्ञानिक क्षमता का प्रतीक है, बल्कि आने वाले समय में भारत की सुरक्षा का मजबूत आधार भी बनेगा। उल्लेखनीय है कि भारत का मिसाइल कार्यक्रम कोई नया नहीं है। यह यात्रा 1980 के दशक में इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम से शुरू हुई थी। इसके साथ ही पूर्व राष?ट्रपति एवं भारत के महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की अगुवाई में अग्नि श्रृंखला की नींव रखी गई थी। जिसने अपना साकार रूप लेना शुरू किया 2002 से, जब अग्नि-1 के साथ शुरूआत हुई जिसकी रेंज 700-900 किलोमीटर थी। इसके बाद अग्नि-2, अग्नि-3 और अग्नि-4 का विकास हुआ और हर नए संस्करण द्वारा भारत की क्षमता को एक कदम आगे बढ़ाया गया। अब अग्नि-5 उस श्रृंखला का सबसे आधुनिक और दूर तक मार करने वाला हथियार है। यह भारत को उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा करता है जिनके पास इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें हैं

इस परीक्षण का महत्व केवल तकनीकी नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। पाकिस्तान के पास शहीन-क्क्क जैसी मिसाइलें हैं जिनकी रेंज लगभग 2750 किलोमीटर है। चीन के पास ऊ्र41 है जिसकी क्षमता 12000 किलोमीटर तक मानी जाती है। अग्नि-5 भारत को इस सामरिक संतुलन में बराबरी की स्थिति देता है। रक्षा विशेषज्ञ डॉ. राजेश शर्मा कहते हैं, ह्वयह मिसाइल किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि भारत की डिटरेंस पॉलिसी का हिस्सा है। कहने का तात?पर्य है कि निवारण नीति किसी संभावित दुश्मन को हमला करने से रोकने के लिए पहले से ही तैयार की जाती है। यह एक ऐसी नीति है जिसमें किसी देश या संगठन द्वारा अपनी सैन्य शक्ति, आर्थिक शक्ति, या राजनीतिक प्रभाव का उपयोग करके दूसरे पक्ष को किसी गलत काम को करने से रोकने की कोशिश होती है। अतः इसका मकसद स्पष्ट हैझ्र कोई भी देश भारत के खिलाफ आक्रामक कदम उठाने से पहले सौ बार सोचे। वे कहते हैं कि अग्नि-5 का सफल परीक्षण आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। यह हमारी वैज्ञानिक क्षमता का नतीजा है। इससे निश्चित ही भारतीय सेना को और मजबूती मिलेगी। साथ ही यहां यह भी स?पष?ट करना जरूरी है कि भारत की ₹नो फर्स्ट यूज₹ परमाणु नीति हमेशा से स्पष्ट रही है। यानी भारत परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा, लेकिन हमला होने पर जवाब अवश्य दिया जाएगा। इस नीति के साथ अग्नि-5 जैसी मिसाइल भारत की सुरक्षा को विश्वसनीयता प्रदान करती है। यह मिसाइल यह सुनिश्चित करती है कि भारत पर कोई भी देश हमला करने से पहले उसकी ताकत को समझे। उन?होंने कहा, हम अब केवल इस दिशा में आत्मनिर्भर नहीं हुए हैं, बल्कि तकनीकी दृष्टि से विकसित देशों की बराबरी कर रहे हैं। अग्नि-5 इसका एक बड़ा प्रमाण है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देशों के पास ही अब तक 5000 किलोमीटर से अधिक दूरी की मिसाइलें थीं। भारत अब इस क्लब में शामिल होकर अपनी स्थिति और मजबूत कर चुका है। यह न केवल भारत को एशिया में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक भरोसेमंद और जिम्मेदार सामरिक शक्ति बनाता है। अतः इस सफलता के बाद भारत का ध्यान अब भविष्य की परियोजनाओं पर है। अग्नि-6 की संभावित रेंज 8000 से 10000 किलोमीटर बताई जा रही है। साथ ही भारत हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक पर भी काम कर रहा है, जो आने वाले समय की जरूरत है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह प्रोजेक्ट सफल होते हैं तो भारत आने वाले दशक में दुनिया की शीर्ष तीन-चार मिसाइल शक्तियों में शामिल रहेगा। अग्नि-5 का सफल परीक्षण आम जनता में भी गर्व का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर #अॅल्ल्र5 ट्रेंड करता दिखा। लोगों ने लिखा कि अब भारत को कोई भी आंख उठाकर देखने की हिम्मत नहीं करेगा। युवाओं ने इसे ह्लनई आजादी की सुरक्षा गारंटीह्व बताया। कुल मिलाकर यह परीक्षण केवल एक मिसाइल का उड़ान भरना भर नहीं, बल?कि यह भारत के आत्मविश्वास, वैज्ञानिक प्रगति और सामरिक ताकत की उड़ान है। यह संदेश देती है कि भारत शांति चाहता है लेकिन अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्क और तैयार है। अग्नि-5 के सफल परीक्षण के साथ भारत ने दुनिया को यह जता दिया है कि वह न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी जगह बना चुका है।

दिल्ली को बचाना और बनाना ही दिल्ली की नई सरकार की जिम्मेदारी

> दिल्ली मेट्रो रेल दिल्ली और एनसीआर में 295 किलोमीटर तक बन चुका है। चौथे चरण में इसमें 65 किलोमीटर और जुड़ जाएगा। दिल्ली मेट्रों से हर रोज यात्रा करने वालों की औसत संख्या पचास लाख से ऊपर है। यह संख्या 70 लाख भी पार कर जाती है। दिल्ली-मेरठ नमो भारत रेल कोरिडोर के बाद दिल्ली- करनाल और दिल्ली- अरवल कोरिडोर बनने वाला है।

मनोज कुमार मिश्र

इसी 17 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना) को करोड़ों की लागत से बनी दो बड़ी सड़कों का सौगात देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में दिल्ली को विकास मॉडल बनाएंगे। इससे पहले भी दिल्ली पर यातायात का दबाव घटाने के लिए मोदी सरकार ने ईस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, वेस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे बनाया। दिल्ली मेट्रो रेल दिल्ली और एनसीआर में 295 किलोमीटर तक बन चुका है। चौथे चरण में इसमें 65 किलोमीटर और जुड़ जाएगा। दिल्ली मेट्रों से हर रोज यात्रा करने वालों की औसत संख्या पचास लाख से ऊपर है। यह संख्या 70 लाख भी पार कर जाती है। दिल्ली-मेरठ नमो भारत रेल कोरिडोर के बाद दिल्ली- करनाल और दिल्ली- अरवल कोरिडोर बनने वाला है। इनसे यातायात सुगम होने के साथ-साथ इस इलाके का प्रदूषण भी कम होगा। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में यमुना की सफाई के प्रयास और गरीबों को पक्के मकान मिलने आदि का उल्लेख किया। जाहिर है कि केन्द्र से लेकर दिल्ली नगर निगम में भाजपा का ही शासन होने से दिल्ली को संवारने का दिल्ली की सरकार के पास भरपूर अवसर है। इन सभी के साथ-साथ 1985 में बनते ही दम तोड़ चुकी एनसीआर परियोजना पर नए सिरे से काम करने की जरूरत है। जिस रफ्तार से दिल्ली और एनसीआर की राजधानी की आबादी बढ़ रही है, उसमें इसे बचाने और बनाने के लिए कुछ कठोर फैसले लेने होंगे। दिल्ली की समस्या यह है कि दिल्ली का अपना ज्यादा कुछ नहीं है। मौसम भी पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। इतना ही नहीं दिल्ली अपनी जरूरत के संसाधनों के लिए भी दूसरे राज्यों पर निर्भर है। 1911 में दिल्ली देश की राजधानी बनी, आज इसकी आबादी करीब ढाई करोड़ है और एनसीआर की कुल आबादी की करीब साढ़े चार करोड़ हो गई है। एनसीआर की आबादी भी मूल रूप से दिल्ली की आबादी ही है। दिल्ली से बाहर बसने वाले ज्यादातर लोग आज भी दिल्ली से ही जुड़े हुए हैं। उनमें ज्यादातर के कारोबार या नौकरी दिल्ली में ही है। राजधानी बनने के बाद 1915 में यमुना पार के 65 गांव दिल्ली में जुड़े। तब से दिल्ली का इलाका 1483 किलोमीटर ही बना हुआ है। निकट भविष्य में इसमें बढ़ोतरी होने की संभावना नहीं दिख रही है। दिल्ली की शासन व्यवस्था कम अधिकारों वाली विधानसभा, नगर निगम, महानगर परिषद से 1993 में विधानसभा बनने तक बदलती रही। अभी भी दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश है और जमीन और पुलिस केन्द्र सरकार के अधीन है। दिल्ली को विकसित करने की जिम्मेदारी दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को दी गई। 1959 से डीडीए लगातार दिल्ली का मास्टर प्लान बनाती रही है और दिल्ली में लगातार अनधिकृत कालोनी बनती गई। आज हालात ऐसे बन गए कि इन अनधिकृत निर्माण से दिल्ली नियोजित कम और अनियोजित ज्यादा बस गई। वोट और नोट की राजनीति में राजनीतिक दल के नेता भू माफिया, पुलिस और सरकारी भ्रष्ट कर्मचारियों के सहयोगी बन गए हैं। दिल्ली पर से आबादी का दबाव घटाने और अब बेकार मानी जाने वाली डीडीए को सहयोग देने के लिए डीडीए की तरह केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय के अधीन एनसीआर बनाने की योजना तो 1962 में ही बनी लेकिन उसका गठन 1985 में हो पाया। केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री इसके अध्यक्ष और दिल्ली के उप राज्यपाल के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्री इसके सदस्य बनाए गए। एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी इसके सदस्य सचिव होते हैं। दिल्ली में एसडीएम से लेकर मुख्य सचिव के पद पर रहने वाले वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ओमेश सहगल बोर्ड के सदस्य सचिव भी थे। सदस्य सचिव रहते हुए 1996 में उन्होंने एक मुलाकात में कहा था कि एनसीआर योजना तो फेल हो गई। योजना पर कार्यान्वयन देरी से शुरू हुआ। 1985 में बोर्ड बनने पर 2001 की आबादी को लक्ष्य मानकर 1988 में काम शुरू हुआ तब तक योजना से ज्यादा आबादी हो गई थी। एनसीआर के शहरों और दिल्ली के बीच में एक किलोमीटर का गलियारा हरियाली के लिए छोड़ना था। यानी एनसीआर बसना था दिल्ली से हट कर, वे बस गए दिल्ली से सटकर। इतना ही नहीं दिल्ली में एक तरह से हर किसी को हर जगह अवैध निर्माण की छूट दे दी गई। जो योजनाएं पहले से बनी उसमें खामियां ही खामियां हैं। दुनिया के सबसे महंगे इलाके कनाट प्लेस में हर वर्ग के सरकारी कर्मचारियों के लिए फ्लैट बना दिए गए। यह तो मान भी लिया जाए कि गरीब लोगों को खाली जगह पर मुफ्त में सरकार आवास उपलब्ध करवाए लेकिन अमीरों की कई-कई करोड़ की एक-एक अवैध सैनिक फार्म हाऊस को भी न तोड़ा जाए, यह समझ से परे है। इतना ही नहीं, इसके लिए अदालत से संरक्षण लिया जाए तो भला दिल्ली अवैध निमार्णों से कैसे बच सकती है। यह तो तय सा मान लिया गया है कि डीडीए अपना काम करने में विफल रही। न तो उसने ठीक से योजना बनाई और न ही दिल्ली की हजारों एकड़ जमीन की रक्षा कर पाई। कई प्रयास के बावजूद डीडीए के अधिकारी यह तक नहीं बता पाते कि उनकी कितना जमीन पर कब्जा है और कितने वे कब्जे से छुड़ा पाए हैं। डीडीए से भी बुरा हाल तो एनसीआर योजना बोर्ड का है। अब तो उसे केवल कागजों में ही मान लिया गया। 1985 में इसके गठन के समय इसे दिल्ली के 1483 के अलावा हरियाणा के छह जिलों के 13,413, उत्तर प्रदेश के चार जिलों के 10,885 और राजस्थान के 4,493 यानी 30, 240 वर्ग किलोमीटर इलाके को एनसीआर में शामिल किया गया। तब योजना थी कि 2001 में 20 लाख आबादी को इन इलाकों में भेजा जाए। इसके लिए इन सभी जगहों में दिल्ली जैसी सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इन्हें चार क्षेत्रों में बांटा गया था। हर क्षेत्र के लिए विस्तार से योजनाएं बनाई गई थी। इन इलाकों में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार के अवसर बढाने के साथ-साथ आवागमन सुलभ कराना प्रमुख था। केन्द्र सरकार के अनेक दफ्तर भी दिल्ली से हटाने थे। इसमें कुछ तो सफलता मिली लेकिन अनियोजित तरीके से काम होने के चलते बहुत लाभ नहीं हुआ। इसके अलावा इन राज्यों के अनेक शहरों को भी मेगनेट (चुंबक) सेंटर की तरह विकसित किया जाना था। तब 2001 में जो आबादी होने का अनुमान लगाया गया था, योजना के शुरू होने के समय ही दिल्ली की आबादी उतनी हो गई थी। ऐसा नहीं है कि बोर्ड की पूरी कवायत बेकार हो गई। अगर दिल्ली सरकार इस पर केन्द्र सरकार से ठीक से पहल करवाए तो लक्ष्य हासिल हो पाएगा। एनसीआर के हर राज्य की जरूरत इस योजना पर ठोस काम कराने की है लेकिन सबसे ज्यादा जरूरत दिल्ली को है। इसलिए अगुवाई दिल्ली को करनी होगी। जब प्रधानमंत्री की प्राथमिकता में दिल्ली है तो यह काम आसानी से शुरू हो सकता है। इससे ही दिल्ली सुंदर बनेगी और उसका भविष्य सुरक्षित रहेगा। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री ने गांवों से पलायन रोकने के लिए गांवों को हर सुविधा से युक्त करना तय किया है। देश के ज्यादातर शहरों को बेहतर बनाने का काम तेज गति से हो रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री दिल्ली को विकास का मॉडल बनाना चाहते हैं तो इसका लाभ दिल्ली सरकार को उठाना चाहिए।

(लेखक, जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

लालबागचा राजा : सांस्कृतिक धरोहर और भक्तिभाव की मिसाल

मुंबई में गणेशोत्सव का पर्याय होता है, यहां के लालबाग का गणेश पंडाल। लालबागचा के राजा नाम से मशहूर मुंबई के इस गणेश पंडाल की चर्चा गणेशोत्सव के दौरान पूरी दुनिया में होती है। सन? 1934 में मुंबई का यह इलाका कोली समुदाय के मछुआरों और छोटे व्यापारियों का इलाका था। आज भी बड़ी संख्या में ये लोग यहां पर हैं, तब समुदाय के कुछ लोगों ने गणेशोत्सव के दौरान व्रत लेने का निर्णय लिया और इलाके में गणेश प्रतिमा स्थापित करने के लिए पंडाल बनाया। कहते हैं इन व्रत लेने वाले भक्तों ने अपने मन में मन्नत मानी थी कि यदि उन्हें इस इलाके में स्थायी बाजार मिल गया तो वे हर साल भगवान गणेश का यहां पंडाल लगाया करेंगे। यह उस समय की बात है जब पेरू चौक का बाजार बंद हो गया था। इस तरह भक्तों की मन्नत पूरी हुई, उन्हें लालबाग बाजार के लिए स्थान मिला। आभार स्वरूप 12 सितंबर, 1934 को यहां पहले सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल की स्थापना हुई और तब से लेकर आज तक मुंबई में लालबाग के राजा का पंडाल इसी जगह पर लगता है।

चूंकि वह समय भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का समय था और सार्वजनिक गणेशोत्सव भी एक किस्म से अंग्रेजों के विरुद्ध जंग ही थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने सभी समुदाय के लोगों को इस सांस्कृतिक गोलबंदी के जरिये अंग्रेजों के विरुद्ध एकत्र किया था। पहला आधुनिक गणेशोत्सव 1893 में पुणे में स्थापित हुआ था। हालांकि इसकी शुरूआत 1890 से ही हो गई थी। वास्तव में लालबाग के राजा का गणेश पंडाल पुणे के गणेश पंडाल की तर्ज पर ही शुरू हुआ था। लालबागचा राजा के नाम से मशहूर यह पंडाल तब से आज तक उस परंपरा को पूरी धज के साथ संभाले हुए है। लालबागचा राजा की मुंबई और देश के लोगों में इतनी श्रद्धा इसलिए है, क्योंकि माना जाता है जो भी सच्चे मन से लालबाग के राजा का दर्शन करके मन्नत मांगता है, उसकी मनोकामना पूर्ण होती है। इसीलिए भक्त लोग श्रद्धा से इसे नवसाचा गणपति कहते हैं यानी वांछित इच्छा पूरी करने वाले भगवान गणेश। लालबाग के भगवान गणेश की इतनी मान्यता है कि एक से एक वीआईपी भक्त गणपति के दर्शन करने के लिए चार-चार घंटे चुपचाप लाइन में लगे रहते हैं। इस गणेश मंडल की व्यवस्था का औपचारिक रुप से दायित्व कांबली परिवार पर है। वर्ष 1935 से ही रतनाकर कांबली से शुरू होकर उनके पुत्र, उनके पुत्रों के पुत्र इस पारिवारिक परंपरा को संभाले हुए हैं। यहां स्थापित होने वाली मूर्ति के निर्माण और रक्षा की जिम्मेदारी इसी परिवार की पीढ़ी दर पीढ़ी संभालती है। लालबागचा के राजा का पंडाल इतना बड़ा होता है कि यहां हर साल जून महीने से इसकी व्यापक तैयारियां शुरू हो जाती है। विभिन्न पौराणिक ग्रंथों के अनुरूप कई आकृतियां निर्मित की जाती हैं, जिसमें सबसे यूनिक आकृति वाले भगवान गणेश का चयन किया जाता है।

टिप्स

तनाव नियंत्रण से हार्मोन संतुलन

अवसाद यानी डिप्रेशन एक जटिल स्थिति है जिसके कई कारण हो सकते हैं और हार्मोनल असंतुलन उनमें से एक है। मुख्य रूप से,कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन), एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन जैसे हार्मोन के स्तर में उतार-चढ़ाव अवसाद का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा,थायरॉइड हार्मोन और मेलाटोनिन भी अवसाद से जुड़े हो सकते हैं। प्रमुख रूप से, कोर्टिसोल,एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन महिलाओं के स्वास्थ्य और मासिक धर्म चक्र को प्रभावित करते हैं। कोर्टिसोल, जिसे तनाव हार्मोन भी कहा जाता है,उच्च स्तर पर एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के स्तर को बाधित कर सकता है,जिससे अनियमित मासिक धर्म,त्वचा की समस्याएं और नींद की गड़बड़ी हो सकती है। वहीं,एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य,मासिक धर्म चक्र और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं।

कोर्टिसोल : यह तनाव का हार्मोन है जो शरीर में तब निकलता है जब आप खतरे या तनाव की स्थिति में होते हैं। लंबे समय तक तनाव रहने से कोर्टिसोल का स्तर बढ़ा हुआ रह सकता है,जिससे अवसाद और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन : ये महिला हार्मोन हैं जो मासिक धर्म चक्र, गर्भावस्था और रजोनिवृत्ति के दौरान उतार-चढ़ाव करते हैं। इन हामोर्नों के स्तर में अचानक परिवर्तन से मूड में बदलाव, चिंता और अवसाद हो सकता है, खासकर महिलाओं में।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

माल पहाड़िया समुदाय की पहली जेपीएससी सफल अभ्यर्थी बबीता कुमारी को दुमका आईजी ने किया सम्मानित

दुमका : झारखंड के आदिम जनजाति माल पहाड़िया समुदाय की बेटी बबीता कुमारी ने इतिहास रचते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा में सफलता अर्जित की है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि वह अपने समुदाय से इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाली पहली अभ्यर्थी बनी हैं। उनकी इस प्रेरणादायी सफलता पर दुमका रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने गुरुवार को आईजी कार्यालय में आयोजित एक विशेष सम्मान समारोह में बबीता को सम्मानित किया। समारोह में आईजी श्री सिन्हा ने बबीता को फूलों का गुलदस्ता, पारंपरिक परिधान, एक शॉल, तथा पंडित अनूप कुमार बाजपेई की पुस्तक ह्लपूर्वी भारत में दुमका जिला की धार्मिक-सांस्कृतिक-पुरातात्विक झलकह्व भेंट की।

इस अवसर पर आईजी श्री सिन्हा ने कहाः बबीता अपने समाज के लिए एक ज्योति समान हैं। आपके द्वारा अर्जित की गई यह सफलता न केवल आपके परिवार के लिए, बल्कि पूरे माल पहाड़िया समुदाय के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। आपकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को आगे बढ़ने का मार्ग दिखाएगी।ह्र सम्मान ग्रहण करते हुए बबीता कुमारी ने अपनी भावनाएँ प्रकट कीं। उन्होंने कहाः हमारे समाज की प्रगति में सबसे बड़ी बाधाएँ नशा सेवन और कम उम्र में होने वाले विवाह हैं। मैं इन समस्याओं को दूर करने और अपने समुदाय को शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से आगे बढ़ाने का प्रयास करूंगी। कार्यक्रम में बबीता की मां राखी देवी, दुमका के पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खैरवार सहित कई अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बालू घाट का ई-नीलामी के माध्यम से बंदोबस्ती का निर्देश

साहिबगंज : जिला समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला खनन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 25 अगस्त को ई-ऑक्शन के माध्यम से बालू घाट का बंदोबस्ती करने का निर्देश दिया गया।बैठक में अपर समाहर्ता - श्री गौतम भगत, जिला खनन पदाधिकारी - श्री कृष्ण कुमार किस्कु सहित जिला खनन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को पारदर्शिता एवं नियमानुसार नीलामी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डॉ निशिकांत दूबे के पहल पर साहिबगंज को मिला एक पैसेंजर ट्रेन : अमित कुमार सिंह

साहिबगंज : पिछले 23 जुलाई को साहिबगंज के भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य अमित सिंह ने गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे के दिल्ली आवास में मिलकर साहिबगंज- भागलपुर के बीच एक जोड़ी पैसेंजर ट्रेन चलवाने का आग्रह किया था।अमित सिंह के आग्रह पर निशिकांत दूबे ने भरोसा दिलाया था कि जल्द ही साहिबगंज-भागलपुर के बीच एक जोड़ी ट्रेन दिया जाएगा।अमित सिंह ने बताया कि डॉ निशिकांत दूबे ने अपना वादा पूरा किया और 21 अगस्त से साहिबगंज से भागलपुर के बीच एक पैसेंजर ट्रेन चलने लगी।साहिबगंज से यह ट्रेन 11 बजे सुबह खुलकर 1 बजे दोपहर भागलपुर पहुँचेगी और भागलपुर से 1:45 पर खुलकर 3:45 पर साहिबगंज पहुँचेगी।जिससे झारखंड के मिजाचौकी,भगैय्या सहित बिहार के पीरपैंती,कहलगांव,विक्रमशिला घोघा,लैलख ममलखा, सौबौर के लोगो को बहुत सहूलियत होगी।श्री सिंह ने बताया कि दूसरी पैसेंजर ट्रेन अगले महीने से या जल्द ही चलने लगेगी।डॉ निशिकांत दूबे पूरे संताल परगना को विकसित संताल परगना बनाएंगे।उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में और निशिकांत दूबे के प्रयास से संताल परगना जल्द ही विकसित संताल परगना बनेगा।

हाइवा ने एक स्कूटी को जोरदार टक्कर युवती गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के चैती दुर्गा के पास बुधवार की रात करीब 11 बजे एक तेज रफ्तार हाइवा ने एक स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी।इसमे स्कूटी सवार एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई।जबकि उसकी माँ व बहन बाल बाल बच गई।आसपास के लोगो ने इलाज ले लिए युवती को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जहां प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए युवती को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।घायल युवती पुरानी एसपी कोठी की रहने वाली निक्की रानी (22) है।जानकारी के अनुसार निक्की अपनी बहन को रेलवे स्टेशन छोड़ने के लिए मा समेत तीनो स्कूटी से साहिबगंज रेलवे स्टेशन आ रही थी।चैती दुर्गा के पास एक तेज रफ्तार हाइवा ने धक्का मार दिया।इसमे निक्की का सिर में गंभीर चोट लगी है। इधर पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

उपायुक्त ने सहायक आचार्य नियुक्ति को लेकर चल रहे जिला स्तरीय काउंसलिंग का किया निरीक्षण

संवाददाता

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने समग्र शिक्षा अभियान कार्यालय में गुरुवार को सहायक आचार्य नियुक्ति को लेकर जिला स्तरीय काउंसलिंग कार्य का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उपायुक्त ने सहायक आचार्य (6-8 वर्ग-भाषा) पद के लिए चल रहे काउंसलिंग को लेकर संबंधित अधिकारियों व कर्मियों को निर्देशित किया कि सरकार का आदेश विज्ञापन प्रकाशन में दिए गए मानदंड तथा नियुक्ति नियमावली के नियमों को शत प्रतिशत अनुपालन करते हुए कार्य करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त श्री लकड़ा ने अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु बनाए गए हेल्प डेस्क द्वारा किये जा रहे कार्यों का जायजा लिया। ज्ञात हो कि सफल घोषित और अनुशंसित कुल 48 अभ्यर्थियों का समग्र शिक्षा अभियान कार्यालय में काउंसलिंग आयोजित की जा रही है।

दस्तावेजों का किया जा रहा है सत्यापन

काउंसलिंग में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के सभी मूल प्रमाण-पत्रों के साथ-साथ दो-दो स्वप्रमाणित प्रतियों की जांच की जा रही है। ये दस्तावेज दो अलग-अलग फोल्डरों में क्रमवार जमा किये जा रहे हैं। जिन पर अभ्यर्थी का नाम, अनुक्रमांक, विषय, पिता का नाम और श्रेणी स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए। साथ ही दस्तावेजों की जांच के दौरान यदि कोई कमी पाई जाती है, तो मौके पर ही सुधार का विकल्प दिया जाएगा, लेकिन अंतिम निर्णय प्रशासनिक मानकों पर आधारित होगा। इसके अतिरिक्त दस्तावेज सत्यापन के बाद चयनित अभ्यर्थियों को पदस्थापन पत्र जारी किए जाएंगे और उन्हें संबंधित विद्यालयों में नियुक्त कर दिया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से यह प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ संचालित की जा रही है। उपायुक्त श्री लकड़ा के निर्देश पर शिक्षा विभाग और चयन आयोग समन्वय बनाकर कार्य कर रहा है, ताकि जिले के सरकारी विद्यालयों में योग्य शिक्षकों की बहाली जल्द से जल्द पूरी की जा सके। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी बिनोद कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार, डीएमएफटी की टीम एवं संबंधित विभाग अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

छात्रों का हक छीनना बंद करो : इन्द्रोजीत

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य में आज 15 लाख से अधिक छात्र-छात्राएँ अपने हक की छात्रवृत्ति राशि से वंचित हैं। यह स्थिति पिछले दो वर्षों से बनी हुई है। जहाँ सरकार द्वारा समय पर छात्रवृत्ति की राशि जारी न किए जाने के कारण गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के छात्र गंभीर संकट से गुजर रहे हैं।छात्र नेता इन्द्रोजीत साह ने कहा यह बेहद शर्मनाक है कि झारखंड सरकार छात्रों का भविष्य दांव पर लगाकर उनके हक का पैसा रोक कर बैठी है। छात्र महीनों से आवेदन और दस्तावेज जमा कर चुके हैं, लेकिन अब तक बैंक खातों में एक रुपया भी नहीं पहुँचा। इससे लाखों छात्रों की पढ़ाई, किताबें, हॉस्टल और कॉलेज की फीस प्रभावित हो रही है। यह सीधे तौर पर छात्रों के सपनों और भविष्य के साथ धोखा है।उन्होंने बताया कि

पिछले 2 वर्षों से छात्रवृत्ति वितरण में लगातार देरी हो रही है।कई जिलों में हजारों छात्र आवेदन करने के बावजूद अब तक एक भी किश्त प्राप्त नहीं कर पाए हैं।छात्रवृत्ति की कुल बकाया राशि सैकड़ों करोड़ रुपये में पहुँच चुकी है, जो छात्रों के भविष्य को अधर में लटका रही है।इन्द्रोजीत ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा छात्रों का पैसा सरकार की मेहरबानी नहीं, बल्कि उनका अधिकार है। अगर सरकार ने तुरंत सभी लंबित छात्रवृत्ति की राशि छात्रों के बैंक खाते में नहीं भेजी, तो राज्यभर में बड़ा आंदोलन खड़ा होगा। छात्र सड़कों पर उतरेंगे और तब सरकार को इसका जवाब देना होगा। हम किसी भी कीमत पर छात्रों का हक छीनने नहीं देंगे।छात्रों का एक-एक रुपया उन्हें मिलना चाहिए। अगर यह सरकार छात्रों को उनका हक नहीं देती है, तो यह सरकार छात्रों के भविष्य की दुश्मन कहलाएगी। अब चुप्पी नहीं, संघर्ष होगा।

बुजुर्ग हमारे अस्तित्व हैं इनके नाम से ही आज हमारा नाम है : विश्वनाथ

संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशन में और प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश -सह- अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार अखिल कुमार के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर साहिबगंज जिला के प्रखंड और पंचायतों में वरिष्ठजनों के लिए अकेले नहीं हैं आप के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि बुजुर्ग हमारे अस्तित्व हैं। इनके नाम से ही आज हमारा नाम है। यदि ये नहीं होते तो हम भी नहीं होते। इनके होने से ही हमारा सब कुछ है। हमें वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए। उनके

अनुभवों को आत्मसात कर लाभान्वित होना चाहिए। उन्होंने बताया कि आप अकेले नहीं हैं आपके साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकार है। मैं भी आप सब का बेटा हूँ ।जीवन के अनुभव और जीवन की शिक्षा बहुत जरूरी है। और इस के लिए हमारे बुजुर्गों से अच्छी कोई किताब नहीं हैं । बड़े- बुजुर्गों का आशीर्वाद और स्नेह ही हुमलोगों की ताकत है। बुजुर्ग हमारे पथ-प्रदर्शक होते हैं।जिनके सानिध्य में रहकर हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है।उन्होंने कहा समाज में वृद्धों की उपेक्षा बहुत ही निंदनीय है। हमें वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए।

चौकीढाब गांव में रात्रि चौपाल का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज : डॉ रामदेव पासवान सिविल सर्जन साहिबगंज के नेतृत्व में उपाधीक्षक अनुमंडल अस्पताल राजमहल के सहयोग से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उधवा के आयुष्मान आरोग्य मंदिर चौकीढाब अंतर्गत कालाजार से प्रभावित चौकीढाब गाँव में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया।जिसमे उक्त गाँवों में एल ईडी वेन के माध्यम से ग्रामीणों को वैक्टर जनित रोग कालाजार, मलेरिया, फाईलेरिया, डेंगू और आगामी 25 अगस्त से होने वाले चार एस कीटनाशी छिड़काव के बारे मे जागरूक किया गया ।इसके साथ ही विभिन्न ग्रामों से आए लोगों को सभी प्रकार के स्वास्थ्य जांच एवं स्थल पर ही दवा वितरण किया गया। उक्त रात्रि चौपाल में ग्रामीणों को बीपी, शुगर, सिकल सेल एनीमिया, मलेरिया, कालाजार, फाईलेरिया, यक्ष्मा, एचआईवी एवं अन्य सभी प्रकार के स्वास्थ्य जांच किया गया।साथ ही साथ स्थल पर ही आभा कार्ड व आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया। मौके पर डॉङ्ख बिरेन्द्र कुमार सिंह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी राँची एवं राज्य से

आये हुए राज्य स्तरीय दल से विनय कुमार मलेरिया सलाहकार, डॉ अंजुम इकबाल कालाजार सलाहकार, डा अभिषेक पॉल डब्ल्यू एच ओ डॉ हसीब से,अभिनाश कुमार पिरामल स्वास्थ्य आदि सभी पदाधिकारीगण उक्त रात्रि चौपाल में पहुंच कर उपस्थित ग्रामीणों को भीबीडी से सम्बंधित बीमारियों और विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य सम्बंधित कार्यक्रमो के बारे में बारी- बारी से बिस्तृत जानकारी दिए व आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए ।इस मौके पर डॉङ्ख सत्ती बाबू डाबडा जिला सलाहकार, अमित कुमार बीपीएम , प्रवेज कुमार एफ एल ए, मुशाहिद अख्तर ,अनिल पॉल, रवि कुमार सहिया एवं सेविका आदि सभी स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

विभिन्न प्रखंडों में लगाए जाएंगे रक्तदान शिविर

दुमका : जिले केउपायुक्त के निर्देश पर दुमका में रक्त की उपलब्धता को सुनिश्चित करने और किसी भी आकस्मिक स्थिति में रक्त की कमी को दूर करने के उद्देश्य से, जिला प्रशासन द्वारा आगामी माह में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं अनुमंडलों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कुल 10 शिविरों की तिथि एवं स्थान निर्धारित कर दिए गए हैं। मौके पर उपस्थित जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुंडलाना ने बताया किरक्तदान शिविरों की शुरूआत 25 अगस्त 2025 को प्रखंडझसहझअंचल कार्यालय, मसलिया से होगी। इसके पश्चात 1 सितंबर को जरमुंडी, 8 सितंबर को शिकारीपाड़ा, 15 सितंबर को रामगढ़, 23 सितंबर को जामा, 3 अक्टूबर को काठीकुंडी, 10 अक्टूबर को सरैयाहाट, 17 अक्टूबर को रानीश्वर, 24 अक्टूबर को गोपीकांदर तथा 31 अक्टूबर 2025 को दुमका मुख्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया किप्रत्येक प्रखंडझसहझ अंचल पदाधिकारी को अपने तिथि के अनुसार रक्तदान शिविर के सफल आयोजन के लिए निर्देशित किया गया है। आमजन से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान शिविर में भाग लें और जरूरतमंदों को जीवनदान देने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

लैब के शुरू होने से कालाजार मरीजों का वास्तविकता जांच किया जा सकता है : डॉ बिरेन्द्र

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण हेतु आइएच आइपी पोर्टल, आइआर एस द्वितीय चक्र कीटनाशी छिड़काव एवं एसीडी से सम्बंधित राज्य स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण -सह -बैठक का आयोजन किया गया।जिसमे प्रशिक्षण का उद्घाटन आदरणीय डॉङ्ख बिरेन्द्र कुमार सिंह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी राँची झारखण्ड एवं डॉङ्ख रामदेव पासवान सिविल सर्जन साहिबगंज के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया! इस प्रशिक्षण मे उपस्थित राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी राँची एवं सभी अतिथियों को सिविल सर्जन महोदय के द्वारा पौधा देकर सम्मानित किया गया! प्रशिक्षण को शुरूवात करते हुए राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी एवं सिविल सर्जन महोदय के द्वारा बताया गया की कालाजार एक वैक्टर जनित रोग है जो बालू मक्खी के काटने से होता है! हमारे इस भारतवर्ष में कालाजार की बीमारीयों का प्रकोप 4 राज्यों झारखण्ड, बिहार, बंगाल और उतरप्रदेश में है! अगर झारखण्ड की बात करें तो कालाजार बीमारीयों का प्रकोप राज्य के संथाल परगना क्षेत्र के 4 जिलों साहिबगंज, दुमका, पाकुड़ और गोड्डा में इसका प्रकोप है !विदित हो की आज से 10 साल पहले झारखण्ड के चारो जिले

साहिबगंज, पाकुड़, दुमका एवं गोड्डा में कालाजार के अत्यधिक मामले देखने को मिलता था! जिसमे साहिबगंज जिला भी कालाजार से अत्यधिक प्रभावित था! अगर आज देखा जाए तो हमारा साहिबगंज जिले में कालाजार के मरीज की संख्या काफी कम हो गए है।कालाजार उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने में नियमित रूप से लगातार विभिन्न प्रकार के गतिविधियों को किया जाना है जो इस प्रकार है।प्रत्येक वर्ष में छः राउंड कालाजार खोज पखवाड़ा किया गया एवं जो भी संभवित मरीज मिलते है उसको तुरंत जाँच एवं उपचार किया जाए। प्रत्येक वर्ष में 2 राउंड गुणवत्ता पूर्ण आइआर एस छिड़काव किया जाए।.सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों को कालाजार का जाँच व उपचार से सम्बंधित नियमित रूप से समय- समय पर प्रशिक्षण दिया जाए।कालाजार उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने में कालाजार से सम्बंधित नियमित तोर पर ग्राम साभा, रैली, विद्यालय जागरूकता अभियान, रात्रि चौपाल आदि विभिन्न प्रकार के क्षेत्रीय कार्यक्रम को किया जाए।साहिबगंज जिले में क्युपीसीआर लैब झारखण्ड में जिला स्तरीय पहला लैब है।इस लैब के शुरू होने से कालाजार मरीजों का वास्तविकता जाँच किया जा सकता है। इसके साथ - साथ स्वास्थ्य से सम्बंधित विभिन्न प्रकार के जाँच भी किया जा सकेगा।

प्रशिक्षण में मुख्य रूप से वैक्टर जनित रोग जैसे- कालाजार, मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया एवं जेङ्ख ईङ्ख के फैलने के कारण, लक्षण, उपचार, बचाव और मिलने वाले प्रोत्साहन राशि आदि के बारे में बिस्तृत जानकारी दी गई। जबकि इसके बचाव के लिए किये जा रहे।आइआर एस कीटनाशी छिड़काव के बारे में भी जानकारी दिया गया! साथ ही इन सभी वैक्टर जनित रोग को जड़ से मिटाने के लिए 25 अगस्त से प्रारम्भ हो रहे।आइआर एस द्वितीय चक्र कीटनाशी छिड़काव को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग के साथ- साथ अन्य सभी विभाग की सहभागिता आवश्यक है।साथ ही राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी के द्वारा उपस्थित सभी को कीटनाशी छिड़काव में घर के सभी कमरों, गौशाला व बरामदा आदि में गुणवत्ता पूर्ण छिड़काव करने को कहा गया इस अवसर पर राज्य से आये हुए मलेरिया सलाहकार विनय कुमार, कालाजार सलाहकार डॉङ्ख अंजुम इकबाल, डॉ अभिषेक पॉल डॉ हसीब अभिनाश कुमार पिरामल स्वास्थ्य, डॉ अमित डॉ रामप्रसाद, डॉ सत्ती बाबू जिला सलाहकार एवं दुमका और पाकुड़ के सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी, आदि मौजूद थे।

रामायण में अपने किरदार पर सनी देओल ने कही ये बात, रणबीर कपूर की तारीफ की

सनी देओल इन दिनों फिल्म बॉर्डर 2 और रामायण को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में फिल्म बॉर्डर 2 का पोस्टर रिलीज किया गया है जिसमें सनी देओल गुस्से में नजर आ रहे हैं। सनी देओल ने अपनी अपकमिंग फिल्म रामायण के बारे में कई खुलासे किए हैं। वह इस फिल्म में हनुमान का किरदार निभाएंगे। सनी देओल ने फिल्म में अपने साथी कलाकार रणबीर कपूर की काफी तारीफ की है।

अपने रोल पर बोले सनी देओल

फिल्म रामायण के लिए सनी देओल ने अभी शूटिंग शुरू नहीं की है। इस पर उन्होंने कहा है कि इसकी शूटिंग बहुत जल्दी शुरू होगी। जूम के साथ बातचीत में सनी देओल ने फिल्म में अपने रोल के बारे में कहा यह बहुत मजेदार रोल है। मेरा किरदार महान होगा। किसी भी किरदार को निभाने से पहले घबराहट या डर, ये तो होता ही है। लेकिन यही इसकी खूबसूरती है, क्योंकि आपको अपने अंदर यह समझना होगा कि आप चुनौती को कैसे स्वीकार करेंगे और उस पर कैसे खरा उतरेंगे। हमें अभिनय करने का मौका मिल रहा है। मुझे पूरा यकीन है कि निर्माता अमित, इस पर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।

रणबीर कपूर की तारीफ की

सनी देओल के मुताबिक यह फिल्म हॉलीवुड फिल्म से आगे जाएगी। उन्होंने कहा फिल्म में निर्माता बहुत अच्छी चीजें करने जा रहे हैं। यह फिल्म किसी भी तरह से हॉलीवुड से कम नहीं होगी। सनी देओल ने साथी कलाकार रणबीर कपूर के बारे में बात करते हुए कहा यह फिल्म महान होगी क्योंकि इसमें बहुत अच्छा कलाकार काम कर रहा है, वह (रणबीर कपूर) अपने प्रोजेक्ट को जीते हैं। पिछले महीने इंडिया टुडे ने जानकारी दी थी कि फिल्म में सनी देओल का स्क्रीन टाइम आधे घंटे का होगा।

300 से ज्यादा लड़कियों को पछाड़ निधि अग्रवाल बनीं थी टाइगर श्रॉफ की हीरोइन

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा की चमक-दमक भरी दुनिया में हर साल हजारों नए चेहरों की भरमार होती है, पर इनमें से सिर्फ कुछ ही लोग अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना पाते हैं। इन्हीं में से एक हैं अभिनेत्री निधि अग्रवाल, जिनका सफर एक छोटे शहर की लड़की से बड़े स्क्रीन की चमकदार हीरोइन बनने तक बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने 2017 में रिलीज हुई फिल्म मुन्ना माइकल के जरिए फिल्मी दुनिया में कदम रखा था, लेकिन इस डेब्यू के पीछे की कहानी जितनी फिल्मी लगती है, उतनी ही प्रेरणादायक भी है, क्योंकि निधि को इस रोल के लिए 300 से ज्यादा लड़कियों के बीच से चुना गया था। फिल्मी दुनिया में कदम रखना आसान नहीं होता। निधि के लिए भी ऐसा था। लेकिन जब 2016 में निर्देशक सब्बीर खान और निर्माता विक्की राजानी ने फिल्म मुन्ना माइकल के लिए हीरोइन की तलाश शुरू की, तो देशभर से 300 से ज्यादा लड़कियों ने ऑडिशन दिया। हर लड़की में कुछ खास था, पर निधि की चमक अलग थी। उनकी आत्मविश्वास भरी आंखें, डांस की सहजता और अभिनय की क्षमता ने उन्हें सबमें सबसे अलग और खास बना दिया। कहा जाता है कि वह फिल्म के लिए टाइगर श्रॉफ की भी पसंद थीं। 2017 में वह मुन्ना माइकल में टाइगर श्रॉफ के साथ जोड़ी बनाती हुई नजर आई। यह फिल्म जब रिलीज हुई, तो निधि ने साबित कर दिया कि वह सिर्फ एक खूबसूरत चेहरा नहीं, बल्कि एक दमदार कलाकार भी हैं। फिल्म को मिले-जुले रिव्यू के बीच भी निधि की एक्टिंग और डांस ने लोगों का दिल जीत लिया। उनके इस बेहतरीन डेब्यू के लिए जी सिने अवॉर्ड में उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यूटेंट का अवॉर्ड भी मिला, जिसने उनके करियर की शुरुआत को और भी मजबूत बनाया।

मुन्ना माइकल के बाद निधि ने साउथ इंडियन फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। 2018 में सव्यसाची से उन्होंने तेलुगु सिनेमा में एंट्री की। इस फिल्म के लिए उन्हें साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवार्ड के लिए नामांकित किया गया। बाद में आईस्मार्ट शंकर और कलगा थलाइवन जैसी फिल्मों में उनके किरदारों ने दर्शकों का दिल जीता और बॉक्स ऑफिस पर भी सफलता मिली। निधि का टैलेंट सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रहा। 2019 में उन्होंने ज्योतिका तंगरी के गाने उंगलीच रिंग डाल दे और बादशाह के अहो! मित्रा दी यस है में अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया। 2021 में सोनू सूद के साथ अल्ताफ राजा के गाने साथ क्या निभाओगे में भी उनकी केमिस्ट्री ने खूब तारीफें बटोरीं। उनकी एक और खास बात यह है कि निधि अपने ब्रांड एंडोर्समेंट्स में भी ईमानदार रही। 2019 में एक फेयरनेस क्रीम का विज्ञापन करने का ऑफर उन्होंने इसलिए ठुकरा दिया कि वह इसे अपने आत्मसम्मान और सिद्धांतों के खिलाफ मानती थीं।

मैं, मेरा सच, और बिना झिझक... अक्षरा सिंह का आत्मविश्वास भरा पोस्ट

भोजपुरी फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह हमेशा से ही अपने ग्लैमरस अंदाज और अनोखे स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। उनकी फैन फॉलोइंग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। सोशल मीडिया पर वह काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में किए गए पोस्ट के चलते वह फैंस के बीच चर्चा में बनी हुई हैं। इस पोस्ट में उन्होंने खुद को एक नए अंदाज में पेश किया है। अक्षरा सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम पर कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में वह मल्टीकलर लहंगे में नजर आ रही हैं, जो उनके लुक को और भी ज्यादा आकर्षक बना रहा है। हर तस्वीर में अक्षरा अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं। उन्होंने बेबाकी से वही बात कही है जिसके लिए वो जानी जाती हैं। उन्होंने इन तस्वीरों के साथ लिखा, मैं, मेरा सच, और बिना झिझक के जो मैं हूं। फैंस इस पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे है। ज्यादातर लोग उनकी खूबसूरती और स्टाइल की तारीफ कर रहे हैं।

यशराज के स्पाई यूनिवर्स में हुई बॉबी देओल की एंट्री

बॉलीवुड की मच अवेटेड फिल्म वॉर 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और इसके साथ ही यशराज फिल्म्स की एक और स्पाई यूनिवर्स की फिल्म को लेकर भी नई जानकारी सामने आ रही है। वॉर 2 के पोस्ट-क्रेडिट सीन में अभिनेता बॉबी देओल भी नजर आ रहे हैं। हालांकि ये कोई मामूली झलक नहीं बल्कि आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की अपकमिंग फिल्म अल्फा को लेकर बड़ा अपडेट रहा।

अल्फा में हुई बॉबी देओल की एंट्री

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म वॉर 2 के पोस्ट-क्रेडिट सीन का एक सीन वायरल हो रहा है, जिसमें बॉबी देओल की शक्ल साफ तौर पर देखी जा रही है। इस सीन में बॉबी देओल एक लड़की के हाथ पर एंजेसी का स्टैंप लगाते हुए नजर आ रहे हैं। जब लड़की उनसे पूछती हैं कि ये क्या है तो वो अल्फा का नाम लेते हैं।

'अल्फा' के बारे में

यश राज फिल्म्स की अल्फा फिल्म का निर्माण शिव रावैल निर्देशित कर रहे हैं और यह क्रिसमस 2025 यानी 25 दिसंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फिल्म स्पाय वर्स में पहली महिला-नेतृत्व वाली कड़ी होगी, जिसमें आलिया भट्ट और शरवरी मुख्य एजेंट की भूमिका में हैं। बॉबी देओल का किरदार उन्हें चुनौती देने वाला खलनायक होगा। अनिल कपूर और ऋतिक रोशन की कैमियो उपस्थिति भी इस फिल्म को और आकर्षक बनाएगी। फिल्म की शूटिंग मुम्बई, कश्मीर, पोलैंड और स्कॉटलैंड जैसे अंतरराष्ट्रीय स्थानों पर की जा रही है। यहां तक कि ऋतिक रोशन का कैमियो भी अल्फा में शामिल किया गया है, जो वॉर 2 से इस अपकमिंग फिल्म को जोड़ेगा।

शरवरी का रिएक्शन

शरवरी वाघ ने सोशल मीडिया पर इस सीन को शेयर करते हुए अपनी उत्सुकता जाहिर की है। उन्होंने लिखा है, आप बॉबी देओल सर!! आपका स्क्रीन प्रेजेंस क्या जबरदस्त इंट्रोडक्शन था! वहीं, यह भी स्पष्ट हो गया है कि टाइगर या पठान जैसी बड़ी फिल्में वॉर 2 में शामिल नहीं होंगी।

बहुत सारा प्यार और थोड़ा सा वार लेकर आ रहे आर्यन खान, 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की पहली झलक आई सामने

बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान के बड़े बेटे आर्यन खान भी अब ओटीटी पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, आर्यन पिता की तरह एक्टिंग में नहीं बल्कि निर्देशक के तौर पर बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। आर्यन अपना डेब्यू ओटीटी से कर रहे हैं। आज उनके डेब्यू शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की पहली झलक सामने आ गई है।

एक्शन और रोमांस से भरपूर होगा शो

1 मिनट 26 सेकंड के इस वीडियो में आर्यन खान सबसे पहले नजर आते हैं। वो अपने इस शो के बारे में बताते हैं। आर्यन अपने पिता शाहरुख खान की फिल्म 'मोहब्बतें' का सुपरहिट डायलॉग 'एक लड़की थी दीवानी सीज' बोलते हैं। इसी दौरान उनके शो की झलक भी देखने को मिलती है। जिसमें 'किल' फेम लक्ष्य लालवानी और आन्या सिंह नजर आते हैं। दोनों के बीच एक लव स्टोरी दिखाई जाती है। फिर टिपिकल बॉलीवुड फिल्म की तरह एक्शन और ड्रामा भी नजर आता है। जिससे जाहिर होता है कि आर्यन खान की यह वेब सीरीज एक फुल टिपिकल बॉलीवुड फिल्मों का मसाला होने वाली है। क्योंकि ये कहानी है बॉलीवुड की।

शाहरुख का होगा कैमियो

एक दिन पहले एक्स पर आस्क एसआरके सेशन में कई लोगों ने शाहरुख से आर्यन के पहले शो के बारे में पूछा था। इसी सेशन के दौरान जब लोगों ने सीरीज की कास्ट के बारे में पूछा तो शाहरुख ने बताया था कि आर्यन की सीरीज में इंडस्ट्री के कई प्यारे दोस्तों ने हिस्सा लिया है। वो इसके लिए उन सभी के आभारी हैं। साथ ही शाहरुख ने अपने कैमियो को भी कंफर्म किया था।

आर्यन कहते हैं पिक्चर तो कई साल से बाकी है, लेकिन शो अब शुरू होगा। आर्यन खान ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को न सिर्फ डायरेक्ट किया है बल्कि लिखा भी है। अब 20 अगस्त को 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का प्रिव्यू सामने आएगा, जिसमें शो के बारे में और भी जानकारी पता लग सकती है।

नेटफ्लिक्स पर आएगी 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड'

आर्यन 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से इंडस्ट्री में अपने कदम रख रहे हैं। आर्यन इस शो से बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। इसकी घोषणा के बाद से ही फैंस इसके लिए काफी उत्साहित थे। हालांकि, अभी इसकी रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

किराक हैदराबाद ने रोहतक रौडीज को हराकर प्रो पंजा लीग सीजन 2 का खिताब जीता

एजेंसी

ग्वालियर : किराक हैदराबाद ने ग्वालियर में गुरुवार रात हुए फाइनल में रोहतक रौडीज को 30-18 से हराकर प्रो पंजा लीग सीजन 2 का खिताब जीत लिया है। विजेता टीम को प्रो पंजा लीग की ओर से 20 लाख रुपये का इनाम भी मिला है। रोहतक रौडीज की निर्मल देवी को 'प्लेयर ऑफ द डे' का पुरस्कार दिया गया। किराक हैदराबाद के सतनाम सिंह को 'प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट' घोषित किया गया। स्टीव थॉमस ने 'बादशाहों का बादशाह' का खिताब जीता। किराक हैदराबाद पूरे टूनार्मेंट में अंकों के मामले में आगे रहे और अंतिम दिन अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए एक सुयोग्य और शानदार जीत दर्ज की। पिछले सीजन के उपविजेता, जो सिर्फ एक अंक से चैंपियनशिप से चूक गए थे, इस बार ट्रॉफी उठाई और इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया।

किराक के स्टीव थॉमस ने दीपांकर मेच को सिर्फ 0.09 सेकंड में पिन करके प्रो पंजा लीग का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो सचिन गोयल के 0.10 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ता है।

कार्यक्रम में प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परविन दबास और प्रीति झांगियानी

उपस्थित थे। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह तोमर, हॉकी इंडिया के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य डॉ. नरिंदर ध्रुव बत्रा, पेशेवर पहलवान सौरव गुर्जर और पूर्व कबड्डी खिलाड़ी राहुल चौधरी भी उपस्थित थे। ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व मुक्केबाज विजेंदर सिंह टीम एंबेसडर के रूप में रोहतक रौडीज का समर्थन करने के लिए उपस्थित थे।

फाइनल में, दोनों टीमों ने कुल 10 मैच खेले, अंडरकार्ड में चार और मेन कार्ड में छह, प्रतिष्ठित मुकुट के लिए लड़ने के लिए अब तक लीग में देखी गई हर श्रेणी में एक खिलाड़ी भेजा। अंडरकार्ड पूरी तरह से किराक हैदराबाद का रहा क्योंकि उन्होंने प्रतियोगिता की शुरूआत में रोहतक रौडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप का आनंद लिया। अविलिये जुयी ने 90 किग्रा मुकाबले में अर्शदीप सिंह पर 2-0 से शानदार जीत के साथ टोन सेट किया। नवीन एमवी ने 60 किग्रा श्रेणी में निखिल सिंह को 2-0 से हराकर बढ़त को दोगुना कर दिया, इससे पहले रचना जाटव ने 55 किग्रा प्रतियोगिता में कराबी सोनोवाल के खिलाफ एक और साफ 2-0 जीत के साथ फायदा बढ़ाया और अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। रौडीज के बिल्ला ताजामुल ने अपनी टीम को जीवित रखने के लिए कड़ी लड़ाई लड़ी, लेकिन अनुभवी कप्तान आस्कर अली ने मेन कार्ड मैचों से पहले अपनी टीम को आरामदायक स्थिति में रखने के लिए 80 किग्रा मुकाबले में 2-0 से जीत हासिल की।मेन कार्ड में, विशेष रूप से सक्षम मैच में विश्व चैंपियन श्रीनिवास बीवी ने रोहतक रौडीज के लिए शुरूआती अंक हासिल किए क्योंकि उन्होंने किराक हैदराबाद के चंदन कुमार बेहरा को 5-0 से हराया। निर्मल देवी ने रोहतक रौडीज के लिए गति बनाए रखी क्योंकि उन्होंने चैलेंजर राउंड को सक्रिय किया और 65+ किग्रा श्रेणी में जिंसी जोस के खिलाफ 10-0 की निर्दोष जीत हासिल की। 18 वर्षीय आभास राणा ने 100+ किग्रा डिवीजन में अमित चौधरी को 5-0 से हराकर एक रोमांचक मुकाबले में किराक हैदराबाद की ओर रुख वापस कर दिया। किराक हैदराबाद की माधुरा केएन ने 65 किग्रा मुकाबले में रिबासुक लिंगदोह को 5-0 से हराया। माधुरा ने पहले दो राउंड में दो फ्लैशपिन के साथ अपना दबदबा स्थापित किया। रिबासुक ने तीसरे राउंड में अपने प्रतिद्वंद्वी को रोकने की कोशिश की लेकिन अपने प्रतिद्वंद्वी को रोक नहीं सके, किराक हैदराबाद को महत्वपूर्ण अंक दे दिए।

ट्रॉफी दांव पर लगने के साथ, हैदराबाद के स्टीव थॉमस ने 70 किग्रा मुकाबले में दीपांकर मेच के खिलाफ 10-0 से जीतकर सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया। स्टीव ने चैलेंजर राउंड को शानदार अंदाज में जीता, अपने प्रतिद्वंद्वी को सिर्फ 0.09 सेकंड में पिन करके एक मैच शेष रहते ही किराक हैदराबाद के लिए खिताब का दावा किया। खिताब से चूकने के बावजूद, रोहतक रौडीज के दारा सिंह ने अपना उत्साह नहीं खोया और रात का समापन करने के लिए 100 किग्रा श्रेणी में किराक हैदराबाद के जगदीश बरुआ को 3-2 से हराया।

हाई-ऑक्टेन, एड्रेनालिन से भरपूर सीजन एक शानदार नोट पर अपने अंत तक पहुंचा, जब किराक हैदराबाद ने प्रतिष्ठित प्रो पंजा लीग सीजन 2 ट्रॉफी उठाकर अपने शानदार अभियान को समाप्त किया।

रिंकू सिंह के तूफान में उड़ा गोरखपुर लॉयन्स, मेरठ मेवरिक्स ने 6 विकेट से दर्ज की जीत

लखनऊ : उत्तर प्रदेश टी20 लीग 2025 के नौवें मुकाबले में मेरठ मेवरिक्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोरखपुर लॉयन्स को 6 विकेट से पराजित कर दिया। यह मुकाबला रिंकू सिंह की विस्फोटक शतकीय पारी के नाम रहा, जिन्होंने मात्र 48 गेंदों में नाबाद 108 रन ठोके। पहले बल्लेबाजी करते हुए गोरखपुर लॉयन्स ने 20 ओवर में 167 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान ध्रुव ज्युरेल ने 38 रन (32 गेंद) बनाए, जबकि निशांत कुशवाहा ने 24 गेंदों में 37 रन जोड़े। अक्षदीप नाथ ने भी 16 गेंदों में 23 रन का योगदान दिया। हालांकि लॉयन्स की टीम बड़ी साझेदारियां नहीं कर पाई और अंत में 9 विकेट खोकर 167 पर रुक गई। मेरठ मेवरिक्स के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। विशाल चौधरी और विजय कुमार ने 3-3 विकेट चटकाए, जबकि जीशान अंसारी ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेवरिक्स की शुरूआत साधारण रही, लेकिन रिंकू सिंह ने आते ही मैदान पर तूफान मचा दिया और देखते ही देखते मैच का रुख बदल गया। रिंकू ने अपनी नाबाद 108 रनों की पारी में 10 छक्के और 7 चौके जड़े। उनके साथ सहाब युवराज सिंह ने 22 रनों का योगदान दिया। मेवरिक्स ने 18.5 ओवर में 4 विकेट खोकर 168 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मेरठ मेवरिक्स ने अंक तालिका में अपनी स्थिति को मजबूत कर लिया है, जबकि गोरखपुर लॉयन्स को हार के बाद अगले मैच में वापसी करनी होगी।

यूरोपीय संघ और अमेरिका ने 15 प्रतिशत टैरिफ वाले व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)/ब्रसेल्स (बेल्जियम),: आखिरकार यूरोपीय संघ और अमेरिका ने 15 प्रतिशत टैरिफ वाले अपने व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे दिया। पिछले महीने यूरोपीय संघ और अमेरिका ने एक टैरिफ समझौते की घोषणा करके व्यापार युद्ध से दूरी बनाई थी। तब यह सिर्फ एक औपचारिक समझौता था। कई हफ्तों से वार्ताकार इसके विवरण पर विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने गुरुवार को इसका विस्तृत विवरण दुनिया के सामने साझा किया। द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार और ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन की खबर के अनुसार, इस समझौते तहत अमेरिका को होने वाले अधिकांश यूरोपीय निर्यात पर 15 प्रतिशत की स्पष्ट अधिकतम टैरिफ दर लागू होगी। संयुक्त बयान में दोनों देशों ने यूरोपीय कारों, दवाओं और लकड़ी पर लागू टैरिफ को कम करने पर सहमति व्यक्त की। लेकिन यूरोप के प्रमुख वाइन और स्पिरिट क्षेत्र सहित अन्य प्रमुख निर्यातक शून्य टैरिफ रियायत पाने में विफल रहे और अब उन्हें बढ़ी हुई लागत का बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर डालना पड़ रहा है। दोनों पक्षों के अनुसार ₹ यह समझौता दुनिया के सबसे मूल्यवान आर्थिक संबंधों को प्रभावित करेगा, जिसका मूल्य प्रति वर्ष 1.6 ट्रिलियन यूरो (2.8 ट्रिलियन डॉलर) है। यह समझौता पिछले महीने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुए समझौते पर आधारित है। वॉन डेर लेयेन ने कहा, चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करते हुए हमने अपने सदस्य देशों और उद्योग जगत के लिए काम किया है और ट्रान्साटलांटिक (अटलांटिक महासागर के उस पार) व्यापार में स्पष्टता और सुसंगतता बहाल की है।₹ यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफ्कोविक ने कहा कि अमेरिका के साथ यह समझौता किसी भी व्यापारिक साझेदार को दिया गया ₹सबसे अनुकूल₹ है। सेफ्कोविक ने कहा कि इस समझौते से अमेरिका को यूरोपीय कार निर्यात पर टैरिफ की दर 27.5 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि फ्रांस और इटली के प्रमुख उत्पादकों के प्रयासों के बावजूद वाइन और स्पिरिट पर शून्य प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रयास विफल रहा। यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफ्कोविक ने कहा, ₹ बावजूद इसके ये दरवाजे हमेशा के लिए बंद नहीं हुए हैं। ये टैरिफ सालाना 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक के आयात को प्रभावित करेंगे और अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए फ्रांसीसी शैंपेन, आयरिश व्हिस्की और इतालवी प्रोसेको की कीमतें बढ़ा देंगे।₹ फ्रांस के वाइन और स्पिरिट्स फेडरेशन के प्रमुख गेब्रियल पिकार्ड ने कहा कि 15 प्रतिशत टैरिफ ने इस क्षेत्र को बेहद निराश किया है। उन्होंने कहा, हमें यकीन है कि इससे वाइन और स्पिरिट्स क्षेत्र के लिए बड़ी मुश्किलें पैदा होंगी। फ्रांसीसी व्यापार मंत्री लॉरेंट सेंट-मार्टिन ने कहा कि उनकी सरकार व्यापार समझौते में अतिरिक्त छूट की मांग करेगी। इस समझौते के तहत यूरोपीय संघ ने अमेरिका के समुद्री खाद्य और कृषि उत्पादों (ट्री नट्स, डेयरी उत्पाद, फल, सब्जियां, सूअर का मांस और बाइसन का मांस) की बाजार पहुंच में उल्लेखनीय सुधार करने की प्रतिबद्धता जताई है। दूसरी ओर, पहली सितंबर से अमेरिका को यूरोपीय संघ से किए जाने वाले कई निर्यात पर एक विशेष अधिक अनुकूल व्यवस्था लागू होगी, जिसमें कॉर्क जैसे अनुपलब्ध प्राकृतिक संसाधन, सभी विमान और विमान के पुर्जे और जेनेरिक दवाइयां शामिल हैं। आयोग ने कहा कि इन पर प्रभावी रूप से शून्य या लगभग शून्य दर लागू होगी। यूरोपीय संघ और अमेरिका इस्पात, एल्युमीनियम और तांबे के क्षेत्रों में अनुचित और विकृत प्रतिस्पर्धा से लड़ने के लिए भी काम करेंगे। लेकिन कुछ क्षेत्रों की ओर से विरोध के बीच वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोपीय आयोग आगे भी छूट के लिए दबाव बनाता रहेगा। उन्होंने कहा, यह प्रक्रिया का अंत नहीं है। हम और अधिक टैरिफ कटौती पर सहमति बनाने, सहयोग के और अधिक क्षेत्रों की पहचान करने और अधिक आर्थिक विकास क्षमता बनाने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखेंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

वाराणसी: अपार्टमेंट में कार पार्किंग विवाद में शिक्षक की ईंटों से ताबड़तोड़ प्रहार कर हत्या

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में भेलूपुर थाना क्षेत्र के सुंदरपुर स्थित बृज इंक्लेव एक्सटेंशन केदार कॉलोनी के मातृ छाया अपार्टमेंट में वाहन खड़ा (पार्किंग)करने के विवाद में मनबढ़ युवकों ने एक शिक्षक की ईंटों से ताबड़तोड़ प्रहार कर हत्या कर दी। वारदात से अपार्टमेंट में देर तक दहशत का माहौल रहा। वारदात की सूचना पाकर क्षेत्रीय पुलिस के साथ एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वारदात गुरूवार देर शाम की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मातृ छाया अपार्टमेंट में रहने वाले शिक्षक डॉ. प्रवीण झा (46) भगवानपुर लंका स्थित एक निजी कालेज में अध्यापक थे। देर शाम डॉ प्रवीण कार से अपार्टमेंट में आए। शिक्षक अपार्टमेंट के बेसमेंट में बने पार्किंग में अपनी कार खड़ी कर रहे थे । इसी दौरान अपार्टमेंट में ही रहने वाला आदर्श नामक युवक अपने दो साथियों के साथ वहां पहुंचा और कार पार्किंग को लेकर शिक्षक से विवाद करने लगा। आरोप है कि इसी दौरान आदर्श और उसके साथियों ने रॉड और ईंटों से शिक्षक प्रवीण के सिर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चीखते हुए प्रवीण वहीं गिर पड़े यह देख आरोपी भाग गए। शोर और चीख पुकार सुनकर वहां गार्ड पहुंचा और प्रवीण की हालत देख उनके परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजन आनन–फानन में शिक्षक को लेकर निजी अस्पताल गए, जहां से उन्हें बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। ट्रामा सेंटर में शिक्षक प्रवीण को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया । डीसीपी क्राइम सरवणन टी ने पत्रकारों को बताया कि पीड़ित परिवार की तहरीर पर केस दर्ज किया जा रहा है। आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं,इलाके में चर्चा रही कि हमलावरों में एक युवक पटना यूनिवर्सिटी के एग्रीकल्चर विभाग के डीन का बेटा भी है। भेलूपुर पुलिस ने शहर के विभिन्न इलाकों में चेकिंग अभियान चलाकर तीनों हमलावरों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की। इस मामले में पुलिस ने देर रात तीनों हमलावरों को हिरासत में ले लिया। घटना के बाद मृत शिक्षकों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

कर्नाटक के कांग्रेस विधायक के.सी. वीरेंद्र का घर ईडी का छापा

चित्रदुर्ग: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने शुक्रवार सुबह कर्नाटक के चित्रदुर्ग से कांग्रेस विधायक के.सी. वीरेंद्र के घर पर छापा मारा। ईडी की टीम चित्रदुर्ग जिले के चल्लकेरे कस्बे में के.सी. वीरेंद्र और उनके भाइयों के.सी. नागराजा और के.सी. थिप्पेस्वामी के आवास समेत चार घरों की तलाशी ले रही है। निजी वाहनों से पहुँचे 40 से ज्यादा ईडी अधिकारियों ने निरीक्षण किया। पिछले मामलों के सिलसिले में यह छापेमारी अहम है। 11 दिसंबर 2016 को जब आयकर अधिकारियों ने वीरेंद्र के घर पर छापा मारा था, तो उन्हें बाथरूम से 5 करोड़ रुपये नकद और 30 किलो सोना मिला था। हाल ही में के.सी. वीरेंद्र के स्वामित्व वाली रन्ना गोल्ड, रन्ना मल्टी सोर्स, पप्पी टेक्नोलॉजी, रन्ना गेमिंग सॉल्यूशंस सहित कई कंपनियों के माध्यम से गेमिंग ऐप्स में अवैध धन हस्तांतरित किए जाने के आरोपों के मद्देनजर छापे मारे गए हैं। चित्रदुर्ग जिले के चल्लाकेरे, बेंगलुरु और गोवा समेत कुल 17 जगहों पर ईडी की छापेमारी चल रही है। बताया जा रहा है कि विधायक वीरेंद्र इस समय विदेश में हैं।

मुकुंदपुर पहाड़ बनेगा पर्यटन का नया केंद्र, प्रशासन की चल रही तैयारी

धमतरी : छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बीते शाम को नगरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम मुकुंदपुर पहाड़ी का भ्रमण कर वहां चल रहे पर्यटन विकास कार्यों का निरीक्षण किया। जिपं अध्यक्ष अरुण सार्वा ने आज शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि मुकुंदपुर पहाड़ी धार्मिक आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य का संगम मानी जाती है । राम वन गमन पथ योजनांतर्गत वहां भगवान श्रीराम की भव्य प्रतिमा पूर्व में स्थापित की जा चुकी है। अब इस क्षेत्र को और आकर्षक बनाने के लिए सप्तऋषियों की प्रतिमाएं भी विभिन्न स्थानों पर स्थापित की जा रही हैं। कुछ प्रतिमाओं का फिनिशिंग वर्क जारी है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर मिश्रा ने भगवान श्रीराम की प्रतिमा में शेष फिनिशिंग कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पहाड़ी पर बन रहे इंफार्मेशन सेंटर, रिसार्ट और कॉटेज का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को अक्टूबर माह तक सभी निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। पर्यटकों की सुविधा के लिए मुकुंदपुर पहाड़ी पर आधुनिक रिसार्ट, कॉटेज और चौपाटी सहित भोजन की उत्तम व्यवस्था विकसित की जा रही है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि काटेज के आसपास आकर्षक फूल-पौधे लगाए जाएं ताकि प्राकृतिक वातावरण और भी रमणीय बने। साथ ही रेस्टोरेंट की दीवारों पर जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों की चित्रकारी कराई जाए, जिससे पर्यटक एक ही स्थान पर धमतरी जिले की पर्यटन धरोहर की झलक देख सकें। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष नगरी, एसडीएम सुश्री प्रीति दुर्गम, सीईओ जपं रोहित बोरझा सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि मुकुंदपुर पहाड़ी पर पर्यटन सुविधाओं का विकास स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार का नया द्वार खोलेगा।

नेपाल में मधेश आंदोलन के दौरान हुए 400 से अधिक पुलिस इनकाउंटर की जांच का आदेश

काठमांडू : नेपाल में लोकतंत्र पुनर्बहाली के बाद शुरू हुए मधेश आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा किए गए 400 से अधिक इनकाउंटर की जांच का आदेश दिया गया है। 9 साल पहले कोर्ट में दायर एक याचिका पर फैसला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी इनकाउंटर की निष्पक्ष जांच करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों के बेंच ने सन 2006 से लेकर 2015 के बीच मधेश के जिलों में पुलिस द्वारा विशेष सुरक्षा अभियान के नाम पर किए गए इनकाउंटर की जांच करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील रंजन सिंह के द्वारा दायर किए गए रिट पर कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए के केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) से इन सभी इनकाउंटर की जांच करने को कहा है। 2016 में अधिवक्ता सुनील रंजन सिंह ने कोर्ट में याचिका दायर करते हुए सरकार के विशेष सुरक्षा योजना के तहत पुलिस द्वारा 400 से अधिक फेक इनकाउंटर कर निर्दोष नागरिकों की हत्या करने का आरोप लगाते हुए इसकी जांच की मांग की थी। अब 9 साल बाद सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, मनोज केसी और हरि फुयाल की बेंच ने सभी घटनाओं की निष्पक्ष जांच का आदेश दिया है। भारतीय सीमावर्ती क्षेत्र मधेश के जिलों में अपने संवैधानिक अधिकार और सामाजिक पहचान को लेकर आंदोलन शुरू किया। इसी बीच कई संगठनों ने सशस्त्र आंदोलन भी शुरू किया था। इनमें माओवादी से अलग हुए मधेशी नेताओं ने सशस्त्र विद्रोह करने की घोषणा की थी। इससे निबटने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल ने नेपाल पुलिस को विशेष सुरक्षा योजना के तहत इन सशस्त्र विद्रोहियों के साथ निबटने का विशेषाधिकार दिया था। नेपाल पुलिस ने मधेश के 22 जिलों में विशेष सुरक्षा योजना के तहत कई इनकाउंटर किए जिसमें 400 से अधिक नागरिकों की मौत हो गई। याचिकाकर्ता का आरोप है कि नेपाल पुलिस ने अधिकांश फेक इनकाउंटर कर निर्दोष लोगों की हत्या की है। इसमें अधिकांश निर्दोष लोग मारे हैं जिन पर सशस्त्र समूहों के साथ मिले होने का आरोप लगा था। कोर्ट के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अधिवक्ता सुनील रंजन सिंह ने कहा कि अदालत का फैसला स्वागतयोग्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अदालत के आदेश के बाद सीआईबी इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच करेगी दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि वैसे तो रिट में इन घटनाओं की न्यायिक जांच के आदेश देने की मांग की गई थी लेकिन कोर्ट ने उसे नहीं माना।

फतेहाबाद: ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

फतेहाबाद : ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाकर बार-बार चालान कटवाने के बावजूद भुगतान न करने वालों के लिए अब फतेहाबाद पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के स्पष्ट निर्देश पर ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिन्होंने चालान की निर्धारित समय-सीमा में अदायगी नहीं की है। अब ऐसे लापरवाह वाहन मालिकों की कोई माफी नहीं होगी। एसपी जैन ने दो टूक कहा है कि चालान भुगतान से बचने की आदत रखने वालों के खिलाफ अब सहनशीलता नहीं बरती जाएगी। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त से शुरू हुए इस सघन अभियान में अब तक 280 लंबित चालानों का निपटारा किया जा चुका है। जिले के प्रमुख चेक पोस्टों पर ऐसे वाहनों को रोककर उन्हें मौके पर ही भुगतान करने के लिए बाध्य किया जा रहा है। शुक्रवार को जारी निर्देशों में पुलिस ने साफ कर दिया है कि जिन वाहन चालकों ने अब तक अपने चालान नहीं भरे हैं, वे आगे किसी भी समय पकड़े जा सकते हैं। ऐसे वाहनों को जब्त करने, चालकों के खिलाफ न्यायालयीन कार्रवाई करने और लाइसेंस निलंबन तक की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

सीएम अनुप्रति कोचिंग योजना में ऑनलाइन आवेदन 14 सितंबर तक

एजेंसी

जयपुर : सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध कोचिंग संस्थानों में कोचिंग के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से चौदह सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए हैं। निदेशक एवं सयुंक्त शासन सचिव आशीष मोदी ने बताया कि 15 अगस्त से शुरू हुई इस योजना के लिए आवेदक विभागीय वेबसाइट www.sje.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के संशोधित नवीनतम विस्तृत दिशा-निर्देश एवं मानक संचालन प्रक्रिया-2024 एवं सत्र 2025-26 से यथासंशोधित प्रावधानों के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। मोदी ने बताया कि इच्छुक पात्र अभ्यर्थी योजनान्तर्गत कोचिंग के लिए अपने आवेदन कर ड्रॉपडाउन में से Studentके विकल्प पर जाकर ऑनलाइन कर सकते हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील है कि राज्य सरकार की उक्त योजनान्तर्गत विभिन्न पाठ्यक्रम एवं परीक्षाओं के लिए निर्धारित कुल 30000 सीटों के लिए नजदीकी ई-मित्र या मोबाइल के माध्यम से पात्रतानुसार आवदेन करें। गौरतलब है कि विभाग द्वारा इस योजना के तहत विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स जैसे- मेडीकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लैट के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं एवं परीक्षाओं जैसे यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा एवं सीडीएस परीक्षा, आरपीएससी द्वारा आयोजित आरएएस, पुलिस संब इस्पेक्टर इत्यादि परीक्षा, आरएसएसबी द्वारा पटवारी, कनिष्ट सहायक इत्यादि परीक्षा, आरआरबी एवं एसएससी द्वारा आयोजित परीक्षाओं, बैंकिंग एवं इंश्योरेन्स की भर्ती परीक्षाओं, रीट एवं कास्टेबल परीक्षा के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने के अवसर प्रदान किए जाते हैं।

अमेरिका से 7000 नेपाली नागरिकों के निर्वासन के फैसले पर संघीय अदालत में मुहर लगाई

एजेंसी

काठमांडू : संयुक्त राज्य अमेरिका की एक संघीय अपील अदालत ने नेपाल के नागरिकों के लिए अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) को समाप्त करने का रास्ता साफ कर दिया है। इसके साथ ही इस सुविधा के तहत अमेरिका में रह रहे 7000 नेपाली नागरिको को अब देश छोड़ना ही होगा। ताजा आदेश के कारण अमेरिका में रहे रहे 7000 नेपाली नागरिकों को अगस्त के अंतिम सप्ताह तक अमेरिका छोड़ कर जाना होगा। पिछले महीने ही, एक निचली अदालत ने तीन देशों नेपाल, निकारागुआ और होंडुरास के लिए टीपीएस रद्द करने के होमलैंड सुरक्षा विभाग के कदम पर नवंबर के मध्य तक रोक लगा दी थी। लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इसे ऊपरी अदालत में चुनौती दी थी जिसके बाद यह ताजा फैसला आया है। अमेरिका की अपील न्यायालय के फैसले के अनुसार, जिन लोगों के पास कानूनी दर्जा नहीं है, जैसे कि ग्रीन कार्ड या शरणार्थी का दर्जा, वे टीपीएस लाभ खोने के बाद कानूनी रूप से काम करने के पात्र नहीं होंगे और उन्हें सरकार द्वारा तय समय सीमा के भीतर देश छोड़ कर जाना होगा। पिछले महीने के आदेश से पहले, ट्रम्प प्रशासन ने 5 अगस्त को नेपाल के लिए तथा सितंबर की शुरूआत में निकारागुआ और होंडुरास के नागरिकों के लिए टीपीएस को समाप्त करने का आदेश दिया था। अमेरिका की होमलैंड सुरक्षा विभाग ने गुरुवार के अपील न्यायालय के फैसले को ₹महत्वपूर्ण कानूनी जीत₹ बताया। होमलैंड डिपार्टमेंट की सहायक सचिव ट्रिशिया मैक्लेलन ने कहा, ₹यह ट्रम्प प्रशासन, कानून के शासन और अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक और बड़ी कानूनी जीत है। अस्थायी संरक्षित दर्जा हमेशा अस्थायी होता है।

महाराष्ट्र के सरकारी अधिकारियों के विदेश दौरे पर नियंत्रण

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र में राज्य सरकार ने सरकारी अधिकारियों के विदेश दौरों पर नियंत्रण रखने का निर्णय लिया है। यह निर्णय गुरुवार को देर रात राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया है और इस निर्णय में सरकार अब सरकारी अधिकारियों को विस्तृत आवेदन भरने के बाद ही विदेश दौरों की अनुमति देगी। सामान्य विभाग के एक अधिकारी ने शुक्रवार को मीडिया को बताया कि सरकारी अधिकारी अध्ययन दौरे और प्रशिक्षण के लिए विदेश दौरों पर जाते हैं, लेकिन यह पाया गया है कि प्रस्ताव का पूरा विवरण सरकार को प्रस्तुत नहीं किया जाता है, इसलिए अब सामान्य प्रशासन विभाग ने इस सब पर नियंत्रण के लिए एक सरकारी निर्णय जारी किया है। यह निर्णय आज से पूरे राज्य में लागू कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि अब किसी भी अधिकारी को विदेशी दौरे पर जाते समय यात्रा का कारण निजी संगठन की आय का स्रोत विवरण में बताना होगा। यदि विदेश यात्रा किसी सरकारी संगठन के तहत की जाती है, तो उसके खर्च की जानकारी विवरण में देनी होगी। इसके अलावा सरकार इस बात की भी जाँच करेगी कि विदेश यात्रा किसने आमंत्रित की और किसके नाम से आई। चार्टर्ड अधिकारियों की विदेश यात्रा के लिए उस विभाग के मंत्री की अनुमति भी आवश्यक होगी, यदि कोई निजी व्यक्ति विदेश यात्रा पर जा रहा है, तो सामान्य प्रशासन विभाग से भी अनुमति लेनी होगी। अधिकारी ने बताया कि सरकार ने अखिल भारतीय सेवाओं, राज्य सेवाओं के साथ-साथ विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों और बोर्डों के अधिकारियों और पदाधिकारियों की विदेश यात्राओं के संबंध में एक नया परिपत्र जारी किया है। इसमें यात्रा प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय अपूर्ण विवरण के कारण होने वाली त्रुटियों और देरी से बचने के लिए स्पष्ट मानदंड निर्धारित किए गए हैं। सरकार ने कहा है कि मंत्रिस्तरीय प्रशासनिक विभागों से आने वाले प्रस्तावों की जाँच करते समय अक्सर दस्तावेजों में विसंगतियाँ पाई जाती हैं। इसलिए अब विदेश यात्रा के प्रस्ताव को उचित तरीके से प्रस्तुत करने के लिए एक संशोधित टिप्पणी प्रपत्र जोड़ा गया है और 01 फरवरी, 2021 को जारी परिपत्र में चेकलिस्ट और सचिव के प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया गया है। हालाँकि, उस परिपत्र में दिए गए मानदंड और निर्देश लागू रहेंगे।

मैठाणा में बदरीनाथ हाईवे पर भू-धसाव से 30 मीटर हिस्कीसा धसा

एजेंसी

गोपेश्वर : बदरीनाथहाईवे पर मैठाणा के पास भू-धसाव के चलते 30 मीटर सड़क धस गई है। इससे हाईवे के वाशआउट होने की संभावना बनी हुई है। हालांकि प्रशासन की ओर से यहां पर एनएचआईडीसीएल के साथ हाइवे का निरीक्षण धसे हुए एरिया पर भराव कर वाहनों की आवाजाही के लिए सुगम बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है बदरीनाथ हाइवे पर मैठाणा के पास करीब 30 मीटर हाईवे भू-धसाव की जद में आ गई है। बीते दो वर्ष पूर्व भी यहां पर हाईवे का एक बड़ा भाग भू-धसाव से वाशआउट हो गया है। तत्समय एनएचआईडीसीएल ने यहां पर भराव कर उस पर ब्लेकटॉप कर दिया था लेकिन इस बार की भारी बारिश से एक बार फिर से यहां पर भू-धंसाव शुरू हो गया है और सड़क पर दरारें आ गई है। शुक्रवार को प्रशासन की ओर से उपजिलाधिकारी चमोली राजकुमार पांडेय ने एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों के साथ हाईवे का निरीक्षण किया। एसडीएम पांडेय ने बताया कि हाइवे के निचले हिस्से में अलकनंदा नदी बह रही है। इससे नदी के कटाव के कारण हाईवे पर इसका प्रभाव पड़ रहा है और भू-धसाव की स्थिति बन रही है। पूर्व में भी यहां पर भू-धसाव हुआ था। उसके बाद यहां पर सुरक्षा दीवार बनाई गई थी लेकिन एक बार फिर से धंसाव शुरू हो गया है। फिलहाल हाईवे पर जहां पर गढ्ढे बन गए है उस स्थान को भरने का काम शुरू कर दिया गया है। हाइवे के एक तरफ से वाहनों की सुगम आवाजाही के लिए भरान किया जाता रहा है।

हिमाचल में अगले चार दिन लगातार भारी से बहुत भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट, अब तक 2,282 करोड़ का नुकसान

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में 23 से 26 अगस्त तक भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी के साथ मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसके चलते भूस्खलन, पेयजल और बिजली आपूर्ति बाधित होने के साथ ही आवागमन भी बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। फिलहाल प्रदेश में एक नेशनल हाईवे समेत कुल 338 सड़कें भूस्खलन व मलबा आने के कारण बंद पड़ी हैं। इसके अलावा 132 बिजली ट्रांसफार्मर और 141 पेयजल योजनाएं भी ठप पड़ी हुई हैं। इस मानसून सीजन में 287 लोगों की मौत, 38 लापता और 2,282 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने बताया है कि आज 22 अगस्त को प्रदेश के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ वर्षा का येलो अलर्ट जारी है, जबकि 23 अगस्त को सिरमौर, उना, बिलासपुर, हमीरपुर और चंबा जिलों में गरज और आसमानी बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। इसी दिन कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना के चलते ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 24 अगस्त को उना, चंबा, कुल्लू, मंडी और शिमला में भारी वर्षा की चेतावनी जारी है, जबकि कांगड़ा और सिरमौर में ऑरेंज अलर्ट रहेगा। इसके बाद 25 अगस्त को उना, कुल्लू, सोलन और किन्नौर में भारी वर्षा का येलो अलर्ट और कांगड़ा, मंडी, शिमला व सिरमौर में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

सराफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमतें

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में लगातार मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,760 रुपये से लेकर 1,00,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 92,310 रुपये से लेकर 92,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 1,16,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

तीन से चार अपराधियों ने युवक को मारा चाकू अस्पताल में मौत

साहिबगंज : जिरवाबाडी थाना क्षेत्र में एक युवक को चाकू मार कर हत्या कर दी गई बताया जा रहा है कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत शोभनपुर भट्टा गांव निवासी रामप्रवेश यादव के 18 वर्षीय पुत्र संजीव कुमार उर्फ छोटू यादव के साथ तीन-चार युवकों के द्वारा गाली गलौज गुरुवार को हो गई थी।जिसको लेकर तीन चार युवकों के द्वारा महादेव गंज माल गोदाम रेक पॉइंट के पास राजीव कुमार उर्फ छोटू यादव को चाकू मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया घायल के परिजनों को जानकारी मिलती ही जिरवाबाडी थाना क्षेत्र के महादेव गंज माल गोदाम पहुंचकर युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया अस्पताल में चिकित्सक प्रशांत कुमार के द्वारा युवक को मृत्यु घोषित कर दिया गया इधर परिजनों ने बताया कि छोटी सी बात को लेकर सुभानपुर भट्टा गांव निवासी युवक के साथ माल गोदाम में कहां सुनी हो गई थी.जिसको लेकर युवक ने गुस्से में आकर राजीव कुमार उर्फ छोटू यादव को चाकू से तीन-चार लोगों ने प्रहार कर मौत के घात उतार दिया जानकारी मिलते ही नगर थाना इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता जिरवाबाडी थाना प्रभारी शशि सिंह,मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश पांडेय सदर अस्पताल पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गया। इधर अपराधियों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

उपायुक्त ने किया ब्लड बैंक का निरीक्षण

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने गुरुवार को जिला ब्लड बैंक का निरीक्षण किया और वहाँ की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएँ, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि ब्लड बैंक में रक्त की उपलब्धता की सूची हमेशा अद्यतन रहे और डॉक्टर तथा स्टाफ की ड्यूटी का शेड्यूल स्पष्ट रूप से दर्ज हो। इसके साथ ही बायोमैट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि रक्तदान शिविरों के आयोजन के लिए सिविल सर्जन एक कैलेंडर तैयार कराएँ, जिससे पूरे जिले में योजनाबद्ध तरीके से शिविर लगाए जा सकें। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि ब्लड बैंक का फ्रिज खराब है, जिसे शीघ्र दुरुस्त कराने के आदेश दिए गए। साथ ही, सुप्रिटेंडेंट को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया कि सभी आवश्यक मशीनें कार्यशील स्थिति में उपलब्ध रहें।

उन्होंने कहा कि रक्तदान जीवनदान है और प्रशासन का दायित्व है कि रक्त की किसी भी स्थिति में कमी न होने पाए। इस अवसर पर उन्होंने जनसामान्य से भी अपील करते हुए कहा कि लोग आगे बढ़कर स्वेच्छा से रक्तदान करें और मानवीय जीवन बचाने के इस महाअभियान से जुड़ें।

सभी दानपात्रों को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा जानकारी दी गई कि गुरुवार को बाबा मंदिर प्रांगण स्थित 18 दानपात्र को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया। साथ ही गिनती के पश्चात दानपात्र से कुल आय 21,95,085 रुपए के अतिरिक्त नेपाली नगद - 6600 दान स्वरूप प्राप्त हुआ। इससे अलावे मंदिर के दान पात्र को कड़ी सुरक्षा के बीच खोला गया, जिसके पश्चात पात्र से निकले पैसे को गिनती के लिए मंदिर प्रशासनिक भवन में रखा गया।

स्ट्रीट लाइट लगते ही दो लाइटें जलना बन्द

कोलेबिरा : प्रखंड अंतर्गत लचरागढ़ बाजार टांड़ में लगी लाइट जिसमें चार लाइटें हैं ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि लाइट सही से जल नहीं रही है जब से स्ट्रीट लाइट लगी है तब से ये लाइट कभी भी पूरी नहीं जली शुरूआत के दो दिन में ही एक लाइट जलना बन्द, फिर दूसरी लाइट भी अब जलना बन्द हो गया है चार लाइटें हैं और अभी दो लाइटें ही जल रही हैं लाइटें की समस्या आ रही है इससे प्रतीत होता है कि महज लाइट नाम मात्र के लिए लगाया गया है किस क्वालिटी का लगना है ग्रामीणों को जानकारी नहीं।क्या खामियां हैं ये जानने का विषय है विभाग द्वारा जांच की मांग ग्रामीणों द्वारा कहा जा रहा है विभाग से अनुरोध है कि लाइट जल्द से जल्द ठीक करने में मदद करें।

डॉ संजीव तिरिया पूरे कोल्हान और राज्य के लिए गौरव हैं

बिनय मिश्रा
चाईबासा : डॉ संजीव तिरिया पश्चिम सिंहभूम जिला के साथ-साथ पूरे कोल्हान और राज्य के लिए गौरव है इसकी प्रमुख वजह यह है कि उत्कृष्ट और बेहतर नेत्र चिकित्सक होने के साथ-साथ उनके नाम यह भी रिकॉर्ड दर्ज है कि उन्होंने अब तक 2 लाख से अधिक लोगों का नेत्र ऑपरेशन कर कृतिमान बनाया है जो अपने आप में उपलब्धि और गौरव गाथा है डॉक्टर तिरिया सहज मृदुभाषी और आम जनों के बीच काफी लोकप्रिय चिकित्सक के रूप में भी पहचाने जाते हैं इसकी प्रमुख वजह यह है कि उनके बेहतर इलाज पद्धति और लोगों के साथ अपनापन और स्नेह का संबंध लोगों को काफी प्रभावित भी करता है।

केयू में 23 से भरा जाएगा एमएड सेमेस्टर-1 की परीक्षा फॉर्म

जमशेदपुर : कोल्हान विश्वविद्यालय में एमएड सेमेस्टर-1 का परीक्षा फॉर्म 23 अगस्त से भरा जाएगा। सत्र 2024-26 के एमएड के विद्यार्थी 23 अगस्त से 5 सितंबर तक बिना विलंब शुल्क के परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। वहीं 200 रुपये के विलंब शुल्क के साथ 6 सितंबर से 8 सितंबर तक फॉर्म भरे जा सकेंगे। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग में विवि के एमएड विभाग से प्राप्त फॉर्म 10 से 11 सितंबर तक जमा लिए जाएंगे।

भादो अमावस्या पर निकली कलश शोभायात्रा

कतरास : श्री श्री राणी सती दादी मंदिर समिति ने गुरुवार को कतरास में भादो अमावस्या महोत्सव को लेकर भव्य कलश सह शोभा यात्रा निकाली। कलश यात्रा भगत सिंह चौक से निकली जो पचगढ़ी बाजार स्थित रानी सती दादी मंदिर तक गई। यात्रा में शामिल नयनाविराम झांकी और मशान होली का दृश्य आकर्षक का केंद्र बना रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक शत्रुघ्न महतो, जिप अध्यक्ष शारदा सिंह, समाजसेवी रोहित यादव एवं अन्य गणमान्य लोग शामिल थे।

जमशेदपुर के मानगो हाट की जमीन होगी खाली अतिक्रमणकारियों के खिलाफ केस भी चलेगा

संवाददाता

जमशेदपुर : मानगो हाट की जमीन खाली कराने की प्रक्रिया अब तेज होगी। अपर उपायुक्त (एडीसी) भगीरथ प्रसाद ने मानगो के अंचलाधिकारी को इस मामले में सभी अतिक्रमणकारियों के खिलाफ जेपीएलई एक्ट के तहत केस चलाने का आदेश दिया है। उन्होंने सीओ को चेतावनी दी कि अगर इस मामले में उन्होंने शिथिलता बरती तो उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी। एडीसी ने सीओ को पत्र लिखकर मानगो हाट की 77.34 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण होने और इसे खाली नहीं कराने के संबंध में विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों पर संज्ञान लिया है। उल्लेखनीय है कि यह जमीन बाजार समिति की है। 1978 में बाजार समिति ने वहां पर चबूतरा बनाकर किसानों को दिया था, ताकि वे अपना उत्पाद वहां लाकर बेच सकें और मुनाफा कमा सकें। परंतु बाद में उन्होंने वहां कच्चा निर्माण कर लिया था। फिर वहां आग लग गई थी। तब वैध आवंटियों की संख्या करीब 52 थी।

हालांकि बाद में बहुत से लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया। यही नहीं, बहुत से लोग अपनी जगह दूसरों को बेचकर निकल गए। इसके कारण वहां पर कारोबारियों व दुकानदारों ने पक्का निर्माण कर लिया और बड़ी-बड़ी दुकानें खुल गईं। बाजार समिति ने कुछ माह पूर्व उस जगह की मापी कराई और सभी को अपने कागजातों के साथ पक्ष रखने का नोटिस जारी किया। परंतु इक्का-दुक्का लोगों ने ही कागजात दिखाए। इसलिए बाजार समिति के पणन सचिव ने मानगो के सीओ को सूची सौंपकर अतिक्रमण हटाने का अनुरोध किया। इस बात को कई माह बीत चुके हैं।

सरकारी जमीन की बिक्री रोकने को कहा

जमशेदपुर के अंचलाधिकारी मनोज कुमार को भी एडीसी ने उनके क्षेत्र में सरकारी जमीन की खरीद-बिक्री रोकने का आदेश दिया है। बताया है कि उनके क्षेत्र में प्लॉटिंग कर जमीन बेचने का कारोबार चल रहा है। इससे प्रशासन की छवि धूमिल हो रही है, क्योंकि जमीन के कस्टोडियन सीओ ही होते हैं। उन्हें भी इस मामले में शिथिलता बरतने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

पांकी में बरामद रुपए की जांच तेज, कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी मिली है : डीआईजी

बिनय मिश्रा

डालटेनगंज : पांकी थाना क्षेत्र के बलियारी मोड़ के पास लावारिस कार से मंगलवार को बरामद 46 लाख 19 हजार रुपए नकद मामले की जांच अब तेज कर दी गई है। बुधवार को बरामदगी के बाद गुरुवार को पलामू के डीआईजी नौशाद आलम ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को कई अहम इनपुट मिले हैं और इन्हीं के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डीआईजी ने बताया कि कार के नंबर के आधार पर मालिक की पहचान की प्रक्रिया चल रही है। परिवहन विभाग से पूरी जानकारी मंगवाई गई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह रकम कहां से आई और किस उद्देश्य से लाई जा रही थी।

डीआईजी श्री आलम ने कहा है कि यह मामला संवेदनशील और गंभीर है। पुलिस को अब तक जो इनपुट मिले हैं, उनकी गहन जांच की जा रही है। आगे की कार्रवाई इन्हीं

तथ्यों पर आधारित होगी। सभी संभावित बिंदुओं पर जांच चल रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रकम के पीछे व्यापार या अन्य अवैध गतिविधियों की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता इसलिए जांच का दायरा छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों तक फैलाया जा रहा है।

पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि जब तक रकम के स्रोत और मकसद का पता नहीं चलता, तब तक कोई अंतिम नतीजा नहीं निकाला जाएगा। बरामद नकदी को सुरक्षित रखकर मामले की तहकीकात जारी है।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर केरसई में हुआ विधिक जागरूकता कार्यक्रम

केरसई : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (खलअछरअ) रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिमडेगा के तत्वावधान में विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर लीगल लिटरेसी क्लब, प्लस टू उच्च विद्यालय केरसई में एक दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय परिसर में वरिष्ठ शिक्षकों, पीएलबी सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में हुई।

वरिष्ठ शिक्षक श्री समीर चंद मांझी और प्रेमदान होरा ने वरिष्ठ नागरिकों को सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं, पेंशन, स्वास्थ्य लाभ, यात्रा सुविधाओं और अन्य अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद पीएलबी विष्णु प्रसाद ने बताया कि संविधान और कानून में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिनका उद्देश्य उनकी सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है। उन्होंने यह भी कहा कि जागरूकता ही वह माध्यम है, जिससे वरिष्ठ नागरिक अपने अधिकारों को समझकर उनका लाभ उठा सकते हैं।

वहीं पीएलबी उपेंद्र कुमार ने नालसा की जागृति योजना 2025 के विभिन्न बिंदुओं को विस्तार से समझाया। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिमडेगा द्वारा जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त कानूनी सहायता, परामर्श एवं अन्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि वरिष्ठ नागरिक समाज की धरोहर हैं और उनकी देखभाल व सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

डीसी ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

संवाददाता

सिमडेगा : काकीनाड़ा (आंध्र प्रदेश) में आयोजित 15वीं महिला जूनियर नेशनल हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में झारखंड की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा को 2-1 से पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस जीत में सिमडेगा का योगदान विशेष रहा, हॉकी ट्रेनिंग सेंटर सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस बालिका, सिमडेगा से छह प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने टीम में जगह बनाई थी। इनमें स्वीटी डुंगडुंग, रीना कुल्लू, सुशीला कुजूर, सीता कुमारी, अनुप्रिया सोरेंग एवं गांगी बारला शामिल थीं, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल से झारखंड की जीत में अहम भूमिका निभाई।

झारखंड की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उपायुक्त कंचन सिंह ने सभी खिलाड़ियों को शॉल ओढ़ाकर एवं माला व मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जीत सिमडेगा और पूरे झारखंड के लिए गौरव की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि निरंतर मेहनत और समर्पण से वे न केवल राज्य बल्कि पूरे देश में अपनी अलग पहचान बना सकती हैं।

उपायुक्त ने जिला खेलकूद विभाग और प्रशिक्षकों के प्रयासों की भी सराहना की तथा आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में सिमडेगा से और भी खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराएंगे।

मौके पर जिला खेल पदाधिकारी श्री मनोज कुमार एवं कोच तरणी कुमारी मौजूद रहे।

उपायुक्त ने की पीएम अभिम एवं 15वें वित्त आयोग से जुड़े कार्यों की समीक्षा

संवाददाता

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में डीएमएफटी, अनटाइड, एमपीलैड, एमएलए लैड, पीएम अभिम, 15वें वित्त आयोग एवं नीति आयोग के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा का बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने डीएमएफटी की राशि से जिले में किये जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में भुगतान में देरी करने पर अधिकारियों व कार्यपालक अभियंता पर कार्रवाई करने की बात कही।

इसके अलावा बैठक में सर्वप्रथम नीति आयोग अन्तर्गत संचालित आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के सूचकांक प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जिले के विकास से सम्बन्धित निर्धारित विभिन्न प्रक्षेत्र में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि-जल संसाधन, कौशल विकास के तहत जिला एवं प्रखंड में हुए कार्य प्रगति की बिदुवार समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि नीति आयोग के द्वारा जो निर्धारित मानक है उसे पूरा करना सुनिश्चित करे। आगे समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने कार्य की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि प्राक्कलन के अनुरूप गुणवत्तायुक्त कार्य कराना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने डीएमएफटी की राशि से किये जा रहे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर सभी संचालित योजनाओं को तय समयवधि के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया। आगे बैठक में उपायुक्त द्वारा पीएम-अभिम योजना और 15वें वित्त आयोग के तहत जारी कार्यों की समीक्षा भी की गई, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के पीएम अभिम योजनान्तर्गत निमार्णाधीन स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण की समीक्षा के क्रम में कार्य एजेंसी कार्यपालक अभियंता एनआरईपी, विशेष प्रमंडल, भवन प्रमंडल को निर्देशित किया गया कि कार्यों में तेजी लाया जाये और ससमय कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरिके से पूर्ण करें।

बैठक में उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, जिला योजना पदाधिकारी मुकेश कुमार, संबंधित विभाग के अधिकारी, कार्यपालक अभियंता, डीएमएफटी की टीम आदि उपस्थित थे।

सूर्या हांसदा के परिजनों से मिलने गोड्डा पहुंचे बाबूलाल, सीबीआई जांच की मांग

संवाददाता

गोड्डा : सूर्या हांसदा एनकाउंटर मामले में गोड्डा के ललमटिया थाना क्षेत्र के डकैता गांव में नेताओं का आना-जाना जारी है। इसी कड़ी में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी सूर्या हांसदा के परिजनों से मुलाकात करने उनके घर पहुंचे।

इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सूर्या हांसदा का एनकाउंटर असल में हत्या है। अगर राज्य सरकार और सीएम हेमंत सोरेन को लगता है कि कुछ भी गलत नहीं है, तो उन्हें बिना समय गंवाए सीबीआई जांच की मंजूरी दे देनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो यह समझा जाएगा कि सरकार इस घटना में शामिल है।

बाबूलाल मरांडी यहीं नहीं रुके और आगे उन्होंने कहा कि यह सारी घटना हेमंत सोरेन की जानकारी में अंजाम दी गई।

उन्होंने कहा कि उन्होंने सूर्या हांसदा के कई वीडियो क्लिप देखे हैं, जिसमें उन्होंने लगातार खनन माफिया या अवैध तरीके से दूसरे राज्यों में पहुंचाए जा रहे बालू, गिट्टी, छर्री आदि का विरोध किया है।

उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में झामुमो के प्रदेश सचिव की भूमिका संदिग्ध है। 11 जून को गोड्डा में एक कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान कुछ लोगों को राज्य छोड़ने को कहा गया, वरना एनकाउंटर की बात कही गई। इसके दो दिन बाद ही सूर्या के खिलाफ एक मामले में एफआईआर दर्ज कर दी गई और ठीक दो महीने बाद 11 अगस्त को सूर्या को एनकाउंटर में मार दिया गया। ऐसे में अगर सीबीआई जांच हो जाए तो पूरी पोल खुल जाएगी।

झारखंड सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि इस सरकार में कुछ भी ठीक नहीं चल सकता। पूरे राज्य से बालू, गिट्टी, कोयला अवैध रूप से खनन करके बाहर भेजा जा रहा है। युवा बेरोजगार हैं, कई तरह की समस्याएं हैं।